बर्षः- 06
अंकः- 08
मुरादाबाद
(Wednesday)
29 April 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक प्रातः कालीन

क्यूँ न लिखूँ सच

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
मुरादाबाद से प्रकाशित
प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

पीएम मोदी ने विपक्ष पर साधा निशाना, बोले- नारी शक्ति से भयभीत हैं परिवारवादी दल

पीएम मोदी मंगलवार की दोपहर दो दिवसीय दौरे पर काशी पहुंचे। बाबतपुर एयरपोर्ट से हेलिकॉप्टर से बरेका पहुंचे। यहां गेस्ट हाउस में विश्राम के बाद शाम करीब पांच बजे बरेका में आयोजित जन आक्रोश महिला सम्मेलन में पहुंचे। यहां महिलाओं के बीच से होकर पीएम मंच पर पहुंचे। उन्होंने महिलाओं को संबोधित किया।देश की लगभग 10 करोड़ महिलाएं स्वयं सहायता समूहों से जुड़ीं- पीएम मोदी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नारी वंदन सम्मेलन में महिलाओं के सशक्तिकरण को लेकर सरकार की

उपलब्धियों और योजनाओं का विस्तार से उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि आज देश की लगभग 10 करोड़ महिलाएं स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी हैं और उनमें से करीब तीन करोड़ महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं। उन्होंने बताया कि इस उपलब्धि में बनारस की हजारों महिलाएं भी शामिल हैं। उन्होंने भोजपुरी में कहा, अभी त शुरुआत भयल हौ, ई बोनस बढ़त जाई, जिससे कार्यक्रम में मौजूद महिलाओं में उत्साह का माहौल बन गया। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के निर्माण का अभियान शुरू हो चुका है और इसमें महिलाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि पहली बार सैनिक स्कूलों और रक्षा क्षेत्र के द्वार बेटियों के लिए खोले गए हैं, जिससे वे राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभा सकें। प्रधानमंत्री ने कहा कि नई संसद के गठन के बाद महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाया गया और वर्ष 2023 में नारी वंदन अधिनियम लाया गया।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि कुछ परिवारवादी दल नारी शक्ति से भयभीत हैं और नहीं चाहते कि महिलाएं विधानसभा और संसद तक पहुंचें। प्रधानमंत्री ने कहा कि विपक्ष को डर है कि यदि महिलाएं बड़ी संख्या में राजनीति में आईं, तो उनकी पारंपरिक राजनीति समाप्त हो जाएगी। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी और एनडीए की सोच नारी शक्ति का सम्मान और नागरिक देवो भव- की भावना पर आधारित है। प्रधानमंत्री ने महिलाओं से आह्वान किया कि वे देश को विकसित बनाने के इस अभियान में बढ़-चढ़कर भागीदारी करें।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि देश में लंबे समय तक महिलाएं उपेक्षित रहीं। उन्होंने कहा कि कई बार महिलाओं से सवाल तक नहीं पूछे जाते थे और सीधे निर्णय थोप दिए जाते थे। यह स्थिति केवल काशी ही नहीं, बल्कि देश के अधिकांश हिस्सों में बहन-बेटियों का अनुभव रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि जब वह करीब 25 वर्ष पहले गुजरात के मुख्यमंत्री बने, तब उन्होंने इस सोच को बदलने का संकल्प लिया। उन्होंने बेटियों की शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए विशेष योजनाएं शुरू कीं, जिससे अधिक से अधिक लड़कियां स्कूल पहुंच सकें। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 में जब देश की माताओं-बहनों ने उन्हें सेवा का अवसर दिया, तब से भारत तेजी से विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री ने काशी और अयोध्या के बीच कनेक्टिविटी बढ़ाने वाले कार्यों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि काशी से पुणे और अयोध्या से मुंबई के लिए शुरू की गई अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों से आम जनता को बड़ा लाभ मिलेगा। इससे महाराष्ट्र के लोगों को काशी विश्वनाथ धाम और अयोध्या आने के लिए एक आधुनिक और सुविधाजनक विकल्प मिलेगा। उन्होंने कहा कि देश को विकसित बनाने का कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है और इसमें भारत की नारी शक्ति की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री ने कहा कि वह एक नए युग की शुरुआत के लिए माताओं-बहनों का आशीर्वाद लेने आए हैं। साथ ही उन्होंने महिला सशक्तिकरण को आगे बढ़ाते हुए महिला आरक्षण को लागू करने की प्रतिबद्धता भी दोहराई।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नारी वंदन सम्मेलन में हर-हर महादेव के उद्घोष के साथ अपने संबोधन की शुरुआत की। उन्होंने मंचासीन भाजपा नेताओं, पदाधिकारियों तथा काशी की महिला पार्षदों और ग्राम प्रधानों का आभार व्यक्त किया। प्रधानमंत्री ने काशी की आध्यात्मिक महत्ता का उल्लेख करते हुए कहा कि यह नगरी माता श्रृंगार गौरी, माता अन्नपूर्णा, माता विशालाक्षी, माता संकट मोचन की शक्ति और मां गंगा की पावन धारा से समृद्ध है। उन्होंने कहा कि इस पवित्र भूमि पर बहनों का यह विशाल समागम कार्यक्रम को और अधिक दिव्य बना रहा है। प्रधानमंत्री ने काशी की महिलाओं को नमन करते हुए कहा कि आज का यह अवसर नारी शक्ति के वंदन और विकास का उत्सव है। उन्होंने बताया कि इस दौरान हजारों करोड़ रुपये की विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया गया है, गति देंगे।युवाओं को खेल के क्षेत्र में प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से लगभग 10 करोड़ रुपये की लागत से यूपी कॉलेज में हॉकी टर्फ का लोकार्पण किया गया है। यह सुविधा खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर की तैयारी में मदद करेगी। स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के तहत मंडलीय अस्पताल को सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल के रूप में विकसित किया गया है, जिससे मरीजों को उन्नत चिकित्सा सुविधाएं स्थानीय स्तर पर ही मिल सकेंगी। वहीं, राजघाट पर बन रहा रेलवे का सिग्नेचर ब्रिज व्यापार और आम जनता की आवाजाही को और आसान बनाएगा। नगर निगम ने शहर की सफाई व्यवस्था को और बेहतर बनाने की दिशा में भी कदम उठाए हैं, जिससे स्वच्छता और सौंदर्यीकरण दोनों को बढ़ावा मिलेगा। इन सभी योजनाओं से काशी का भविष्य और अधिक उज्ज्वल होने की उम्मीद जताई जा रही है, साथ ही यह शहर विकास और सांस्कृतिक विरासत के संतुलन का उदाहरण बनकर उभर रहा है।

महिला आरक्षण पर घमासान: कांग्रेस का पीएम पर बड़ा हमला, कहा- बुलाएं सर्वदलीय बैठक, 2029 से ही लागू हो कोटा

कांग्रेस ने प्रधानमंत्री मोदी पर महिला आरक्षण का इस्तेमाल राजनीतिक हित साधने के लिए करने का आरोप लगाया है। पार्टी की मांग है कि सीटों की संख्या बढ़ाए बिना, मौजूदा 543 सीटों पर ही 2029 से महिला कोटा लागू करने के लिए तुरंत सर्वदलीय बैठक बुलाई जाए।महिला आरक्षण के मुद्दे पर कांग्रेस ने केंद्र सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। मंगलवार को कांग्रेस ने एक बार फिर सरकार से सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग की। पार्टी का कहना है कि सरकार को लोकसभा की मौजूदा सदस्य संख्या के साथ ही महिला कोटा लागू करने पर चर्चा करनी चाहिए। पार्टी ने कहा कि अब समय आ गया है जब प्रधानमंत्री अपने पापों का प्रायश्चित करें। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि पीएम मोदी ने अपने राजनीतिक

एजेंडे के लिए देश की महिलाओं का इस्तेमाल किया है।जयराम रमेश ने बोला हमला-कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि अब चुनाव अभियान खत्म हो चुका है। उन्होंने कहा कि विपक्ष की एकजुटता के कारण पीएम की यह चाल नाकाम हो गई है। अब प्रधानमंत्री को वह करना चाहिए जिसकी मांग विपक्ष मार्च 2026 से लगातार कर रहा है। रमेश ने कहा कि सरकार को तुरंत एक सर्वदलीय बैठक बुलानी चाहिए। इस बैठक में %नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023% को लागू करने पर बात हो। उन्होंने कहा कि इसे 2029 से मौजूदा सीटों पर ही प्रभावी बनाया जाना चाहिए। उन्होंने याद दिलाया कि इस अधिनियम को 16 अप्रैल 2026 की देर रात घबराहट में अधिसूचित किया गया था। आरक्षण कभी मुख्य मुद्दा था ही नहीं। कांग्रेस का आरोप है कि सरकार का असली मकसद केवल परिसीमन करना था।

संक्षिप्त समाचार

गुजरात निकाय चुनावों में भाजपा का दबदबा, अब तक 2531 सीटों पर दर्ज की जीत

गुजरात में स्थानीय निकाय चुनाव की मतगणना शुरू हो गई है। 15 नगर निगमों और ग्रामीण निकायों सहित 9,000 से ज्यादा सीटों का फैसला आज होगा, जो एक बड़े स्तर का जमीनी राजनीतिक मुकाबला माना जा रहा है।गुजरात में हुए स्थानीय निकाय चुनावों की शुरुआती मतगणना में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अपने प्रतिद्वंद्वियों पर मजबूत बढ़त बना ली है। चुनाव अधिकारियों ने जानकारी दी कि मंगलवार सुबह शुरू हुई गिनती के प्रारंभिक दौर में पार्टी ने अब तक 9,200 से अधिक सीटों में से 2,531 सीटों पर जीत दर्ज की है।कांग्रेस ने 385 सीटों पर कब्जा किया राज्य निर्वाचन आयोग के ताजा आंकड़ों के अनुसार, कांग्रेस ने अब तक 385 सीटों पर जीत हासिल की है, जबकि निर्दलीय और अन्य दलों जिनमें आम आदमी पार्टी और ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन शामिल हैं ने 169 सीटों पर कब्जा किया है।प्रारंभिक रुझानों में भाजपा ने क्षेत्रवार भी बढ़त बनाए रखी है। पार्टी ने तालुका पंचायत में 1,165 सीटें, जिला पंचायत में 251, नगरपालिकाओं में 825 और नगर निगमों में 290 सीटें जीतकर अपने प्रतिद्वंद्वियों से काफी आगे स्थिति मजबूत की है। ' हासिल की हैं। अधिकारियों के अनुसार, राज्यभर में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच सुबह 9 बजे से मतगणना शुरू की गई।

महिला आरक्षण के मुद्दे पर गरमाया सदन, बाहर प्रदर्शन, कई कांग्रेस नेता गिरफ्तार

लोकसभा में महिला आरक्षण लागू करने वाले संविधान संशोधन विधेयक के विफल होने के बाद आज उत्तराखंड में इस पर चर्चा के लिए विशेष सत्र बुलाया गया है। सीएम धामी ने कहा कि देश की नारी को विश्वास दिलाते हैं, उनका अधिकार अवश्य मिलेगा। कहा किआधी आबादी को उनका पूरा हक प्रदान करने का प्रयास मिले ताकि मातृशक्ति विकसित भारत के निर्माण में अपनी पूरी क्षमता से योगदान दे सके। वहीं विपक्षी कांग्रेस पार्टी ने भी सदन में सरकार को घेरने की रणनीति बनाई है। विधानसभा में विशेष सत्र होने के बाद सभी नगर निगमों की बोर्ड बैठक में भाजपा निंदा प्रस्ताव लाकर विपक्ष को घेरने का प्रयास करेगी। इसके अलावा सभी जिला पंचायतों की बोर्ड बैठक में भी निंदा प्रस्ताव लाए जाएंगे। इससे भी नीचे क्षेत्र पंचायत की बैठकों में भी इसका निंदा प्रस्ताव लाया जाएगा। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट का कहना है कि विपक्ष ने मातृशक्ति का जो अपमान किया है, उसे लेकर पार्टी किसी सूरत में खामोश नहीं रहेगी।नारी शक्ति वंदन संशोधन अधिनियम पारित न होने के मुद्दे पर भाजपा विपक्ष को घेरे रखना चाहती है। लिहाजा, विधानसभा में आज मंगलवार को विशेष सत्र के बाद भाजपा ने छोटी सरकार (निगम, जिला पंचायत) तक विपक्ष को घेरने की पूरी तैयारी कर ली है।विधानसभा कूच करने जा रही महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। महिला कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ज्योति रौतेला सहित कई महिला कार्यकर्ताओं को पुलिस ने हिरासत में ले लिया।एक तरफ महिला आरक्षण के मुद्दे को लेकर भीतर सदन गरमाया हुआ है, तो वहीं बाहर सड़कों पर हंगामा जारी है। कांग्रेस नेता यशपाल आर्य ने कहा कि पंचायतों में महिलाओं को आरक्षण देने का काम कांग्रेस ने किया है। आज पंचायत से लेकर निगम की मेयर तक हमारी बहनें हैं। 2023 में जो कानून पास हुआ था, उसे सरकार ने ही लटका दिया। कहा कि महिला आरक्षण को तत्काल प्रभाव से लागू किया जाए। हमारी मांग है कि वर्तमान लोकसभा की सीटों पर ही ये लागू किया जाए। उत्तराखंड के अगले विधानसभा चुनाव में ही महिलाओं को 33त्न आरक्षण दिया जाए।सदन में नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने कहा कि सरकार आठ साल का इंतजार करा रही है। 2034 तक ये कानून लागू हो पाएगा। 2023 के कानून को लागू क्यों नहीं करना चाहती भाजपा। कहा कि यह विपक्ष पर वोट बैंक की राजनीति का आरोप लगाते हुए सीएम धामी ने कहा कि कांग्रेस को जनता से कोई लेना देना नहीं। एक नेता कह रहे हैं कि उत्तराखंड की विधानसभा में भाजपा 33त्न आरक्षण देने को क्यों नहीं कहती। सीएम ने कहा कि नारी का अधिकार छीनकर तुम इतना अभिमान न करो। अहंकार अपना त्यागो। घोर निंदा करता हूं और अनुरोध करता हूं कि इस पर चर्चा कराई जाए।सीएम धामी ने कहा कि आधी आबादी को उनका हक दिलाने के प्रयास को विफल करके कांग्रेस ने पाप किया है। उन्हें डर था कि सामान्य घर की महिलाएं राजनीति में आएंगी तो इनकी वंशवाद की राजनीति खत्म हो जाएगी। इंदिरा गांधी प्रधानमंत्री इसलिए बनी क्योंकि वह सामान्य घर की नहीं नेहरू जी की बेटी थी। हमने इस वर्ष जेंडर बजट में करीब 20 हजार करोड़ का प्रावधान किया है। हमारी सरकार ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का काम कर रही है।राजनीतिक जमीन को बचाने का मामला है। कोई महिलाओं को अधिकार देने का नहीं है।यशपाल आर्य ने कहा कि मैं सत्ता पक्ष से पूछना चाहता हूं कि इस सत्र को बुलाने का क्या औचित्य है।

सीएम योगी ने वितरित किए नियुक्ति पत्र, बोले- अब सिफारिश और रिश्वत देकर नहीं योग्यता से मिलती है नौकरी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को 936 प्रधान परिचालक/प्रधान परिचालक (यांत्रिक) को नियुक्ति पत्र देने के बाद संबोधित किया और इस दौरान बीते नौ वर्षों में प्रदेश में आए परिवर्तन की चर्चा की।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बीते नौ साल में प्रदेश की छवि पूरी तरह बदल गई है। अब युवाओं को सिफारिश और रिश्वत लेकर नौकरी नहीं दी जाती है बल्कि उनकी योग्यता के आधार पर नियुक्ति होती है। मुख्यमंत्री योगी मंगलवार

को गोमती नगर स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान के जुपिटर हाल में उत्तर प्रदेश पुलिस दूरसंचार विभाग के लिए चयनित प्रधान परिचालकों को नियुक्ति पत्र वितरित करने के बाद संबोधित कर रहे थे।सीएम योगी ने कहा कि 2017 के पहले प्रदेश में सिर्फ 3000 पुलिस जवानों की ट्रेनिंग की क्षमता थी पर अब तक भी 60 हजार पुलिस जवानों का प्रशिक्षण प्रदेश के अपने पुलिस केंद्रों में हो चुका है। उन्होंने कहा कि यह स्पष्ट करता है कि अगर कार्य करने की इच्छाशक्ति हो तो और नीयत साफ हो तो परिणाम लाए जा सकते हैं।

संपादकीय Editorial

Spend a Week in Himachal

The question isn't where tourists in Himachal Pradesh want to go most, but rather where they haven't been able to. Some tourists will visit only once, others repeatedly. Some will arrive in the morning and return in the evening, and some will simply stay somewhere peaceful. If tourism fosters peace of mind, this journey will have many dimensions. Understanding the new era of tourism in Himachal is crucial, and instead of overwhelming tourists with a single destination, we must strive to offer them something new, so that crowds in Himachal are reduced and tourist stays are increased. To this end, we must segment the entire tourism industry. We also need to consider which age group and class finds Himachal a popular destination. We have a wide array of temples that can accommodate all walks of life. Ironically, temple administration is routine, while they need to be developed in a religious tourism context. Temples should not only be places for darshan (visiting), but also for pilgrimages, places of peace, platforms for cultural and religious energy, a choice of Himachali products, and a break from the hustle and bustle of life, a package for a few days. Have we given this responsibility to the Tourism Department or its planning departments? We should make plans based on how we can sustain devotees traveling to Jwalaji, Chintpurni, Kangra, Chamunda, Deotsidh, Nainadevi, Bala Sundari, or Baijnath for five or seven days. For example, if the temple perimeter of Chintpurni or Deotsidh is expanded to ten or fifteen kilometers under a master plan, tourists will undoubtedly have an excuse to spend a few days. Our tourism slogan should be, "Spend a week in Himachal." The annual, religious, and cultural celebrations of the temples should be enhanced with new infrastructure, so that they become Himachal's art centers. If we develop art centers alongside every major temple, showcasing Himachal's art, architecture, and music and dance through artists, creating employment opportunities, this will increase tourist arrivals. Instead of focusing solely on the interests of a few priests, running temples under a central trust or Temple Development Authority will lead to lasting management improvements. As the seasons change in Himachal's air, tourism must find its own uniqueness and offer tourists a wealth of color, melody, and festivals. We can dance at the Haroli festival, but if we organize entire fairs on a tourism platform, we will uncover a wealth of diversity. Clearly, by forming a Fair Development Authority, we can enrich the format, cultural significance, trade potential, and wrestling arenas of all small and large fairs for tourism. Currently, the tourism and fair seasons are running simultaneously in Himachal, but is there any synergy between the two, or are the fairs truly tourist-friendly? Clearly, by refining the venue, scale, format, and attractions of the fairs, these gatherings can be transformed into a wandering destination. Four to six selected tourist destinations will now also need to be designated departure points for new exhibitions. In this regard, the HRTC should establish its own tourist wing and create routes that can transport guests staying at one location to another and then return. For example, tourists staying in Dharamshala should be provided with daily bus or minibus packages that take them to Palampur, Bir-Billing, and drop them back in the evening. Similarly, special vehicles from Bir-Billing, Dalhousie, Shimla, Manali, and other tourist destinations should be used to create travel packages, connecting them to other destinations, so that tourists experience a new experience every day. Such travel packages will include shopping, food, music, and music, and will also promote adventure sports. Himachal Tourism needs to introduce a calendar of events throughout the year,

The Split Aam Aadmi Party

The joining of seven Rajya Sabha members of the Aam Aadmi Party (AAP) to the BJP is a major blow to Kejriwal and the party. This development raises serious questions about the AAP's leadership and policies, potentially impacting the party's image and future. Seven AAP Rajya Sabha members join the BJP, and Kejriwal's confidante Sandeep Pathak also quits the party - a major blow to the AAP. The move by seven Rajya Sabha members, including Raghav Chadha, Sandeep Pathak, and Ashok Mittal, to join the BJP is a major blow to the party as well as its leader, Arvind Kejriwal, as the national convener. In addition to these three Rajya Sabha members, cricketer Harbhajan Singh, Rajendra Gupta, Vikramjeet Sahni, and Swati Maliwal are yet to join the BJP, but their agreement to leave the party suggests that this is merely a formality. Of the seven AAP members who defected from the party, Raghav Chadha was recently removed from the post of Deputy Leader of the Rajya Sabha. After this, it became clear that, like Swati Maliwal, he too had no future in the party. However, it is surprising that Ashok Mittal, who had replaced Raghav Chadha as Deputy Leader of the Rajya Sabha, also left Kejriwal. The ED had raided his house a few days earlier. AAP leaders may claim that this raid played a role in his departure from the party, but Sandeep Pathak's departure along with him is quite surprising. He was a trusted aide of Kejriwal and was also considered one of the party's strategists. The split of these seven MPs may have an impact nationally, but it will likely be most felt in Punjab. This is not the first time that AAP leaders who were close associates of Kejriwal since the party's inception have left the party or been forced to leave. Prashant Bhushan, Yogendra Yadav, Anand Kumar, Shazia Ilmi, Kumar Vishwas, Mayank Gandhi, Raghav Chadha, and Swati Maliwal are among the countless others who have left Kejriwal or been forcibly sidelined. Many of these were founding members of AAP. This clearly implies that the problem lies in Kejriwal's leadership and his policies. It's easy for Kejriwal and his allies to claim that the BJP poached their MPs through the so-called Operation Lotus, but they would do well to introspect as to why their close associates are deserting them one by one. It's no secret that the promise of a new and clean politics that AAP made upon its rise has vanished. Over time, the party's priorities shifted, and the hopes it had raised also evaporated. Undoubtedly, after Delhi, it succeeded in forming a government in Punjab and then achieving national party status, but with this, its image became like that of other parties. It's no surprise if its graph now falls.

Attacking Petty Politics

Former Army Chief General Naravane has refuted Rahul Gandhi's propaganda regarding his unpublished book. He clarified that the Chinese army failed to encroach on Indian territory and called Rahul's conduct inappropriate. Former Army Chief General Manoj Mukund Naravane's statement regarding the controversy surrounding his unpublished book not only put an end to the propaganda that Rahul Gandhi, the Leader of the Opposition in the Lok Sabha, was unnecessarily fueling, but also made it clear that the Chinese army failed to encroach on Indian territory. He had previously stated that India had not lost a single inch of land to China and reiterated this point recently, but Rahul Gandhi was unwilling to believe it. He repeatedly propagated the same false narrative that China had seized our land and the Prime Minister could do nothing. Later, he began misrepresenting General Naravane's narrative. During the Budget Session of Parliament, he crossed all limits when, under the guise of interpreting an excerpt from General Naravane's unpublished book published in a magazine, he targeted the Prime Minister and tried to imply that when the then Army Chief was seeking guidance on the Chinese military's aggression, he left him to his own devices. Rahul mischievously interpreted the Prime Minister's clear instructions to the Army Chief to do whatever he deemed appropriate. He didn't stop there. He even waved a purported copy of General Naravane's unpublished book in the Parliament complex. When accusations and counter-accusations ensue in politics, they inevitably involve some element of propaganda, but it is the height of irresponsibility to propagate such lies, claiming that there was no coordination between the Army and the government during the border crisis, to serve narrow political interests. Creating unnecessary controversy over border security and the Army is not only a disregard for national interests but also petty politics. It's good that General Naravane didn't hesitate to call Rahul Gandhi's alleged brandishing of a copy of his unpublished book and dragging him and the Army into controversy as inappropriate behavior. He also held a mirror to Rahul Gandhi by saying, "If you don't trust the words of the Prime Minister, Defense Minister, Foreign Minister, and even the Army Chief, then ask China." It's doubtful that these candid words from the former Army Chief will make Rahul realize his mistake or have any impact on his health, as he has become accustomed to trying to justify his fabricated beliefs on any issue. Indeed, this is precisely why he keeps getting embroiled in unnecessary controversies.

A World Grapples with an Energy Crisis

Despite President Trump's extension of the US-Iran ceasefire, the blockade of the Strait of Hormuz is deepening the global energy crisis. Iran remains adamant on its conditions, casting uncertainty over the second round of peace talks and stability in West Asia. Trump extended the US-Iran ceasefire indefinitely. The blockade of the Strait of Hormuz deepened the energy crisis. Iran stuck to its conditions, hindering talks. President Trump's sudden extension of the two-week ceasefire between the US, Israel, and Iran appeared to be a step back. He announced the ceasefire extension at a time when uncertainty lingered over the second round of peace talks in Islamabad. Yesterday, these clouds of uncertainty cleared, and news of representatives from both countries departing for Islamabad has increased the possibility of a second round of talks. Iran's refusal to engage with the US after the first round of talks failed suggested that it would neither open the Strait of Hormuz nor negotiate without lifting the US blockade of its ports. Now, if it is willing to negotiate, it is likely because the US blockade is causing it problems. In any case, until a second round of talks is held and reaches a conclusion, the West Asian crisis, as well as the energy crisis, is unlikely to end. The first round of talks between the US and Iran failed because Iran was unwilling to withdraw from its uranium enrichment program or relinquish its control over the Strait of Hormuz. It cannot be ignored that even after the ceasefire extension, the Strait of Hormuz remains closed. Even the few ships that were able to pass through before the US blockade are now unable to do so. Iran, while setting the condition for the US blockade to be lifted, is insisting that it will allow ships passing through the Strait of Hormuz under its supervision and charge them a fee. This cannot be accepted by anyone—neither the US nor the Gulf countries—because the Strait of Hormuz is a free international waterway. Approximately 20 percent of the world's oil and gas is transported through the Strait of Hormuz. Its disruption is not only causing energy crisis in Asian countries, including India. The crisis is impacting the entire world, including the US. Although the US has its own oil and gas reserves, the disruption of energy supplies from the Strait of Hormuz is causing oil and gas prices to rise there as well. Other countries in the world are facing a much more severe energy crisis. Because Iran believes that by blocking the Strait of Hormuz, it can pressure the world to withdraw from the conflict, it has adopted a tough stance. This stance could even sabotage the second round of talks. Iran is also capable of targeting US bases in Gulf countries in response to US attacks. The US's problem is that it appears incapable of fully retaliating against Iran's attacks. This is causing unease even in Gulf countries with US military bases. It is clear that the longer the delay in opening the Strait of Hormuz, the more the energy crisis will deepen. This crisis may force the US to re-target Iran, but this is not easy for Trump. Perhaps this is why he sometimes threatens to destroy Iran and sometimes expresses hope for a compromise.

He has changed his statements countless times in the past 10-12 days. His frequently changing and contradictory statements are sending the message to the world that he is in no position to resolve the crisis in West Asia. Amidst all this, Iran has begun claiming that it has begun extorting money from ships passing through the Strait of Hormuz. The truth is unknown, but the blockage of the Strait of Hormuz is worsening the energy crisis. If the US retreats from this status quo, it will not only cause embarrassment, but Iran may also be able to levy fines on ships passing through Hormuz in the name of compensation for war losses. This will also increase oil and gas prices. Iran's dominance over Hormuz is bound to increase conflict between it and the Gulf countries. Whatever the reasons for Trump's indefinite extension of the ceasefire, it appears to be a compulsion. One major compulsion is the US Congress's approval to wage war against Iran. Under US law, if the President declares war against any country, he must seek Congress's approval within 60 days. This period expires on May 1. The problem is that obtaining Congress's approval is difficult. Trump, along with his own supporters, is not in favor of war. It is believed that this is why Trump used the alleged request from Pakistani Prime Minister Shahbaz Sharif and military chief Asim Munir to extend the ceasefire. Pakistan is also desperate for a compromise between the US and Iran. Failure to do so will increase its difficulties, as in the event of a renewed war, it will have to stand with Saudi Arabia and against Iran under the agreement with Saudi Arabia. Pakistan will not want this, as it will become hostile to Iran. Whatever the outcome of the second round of US-Iran talks, the Strait of Hormuz must be opened. This is because Gulf countries have no other easy way to export their oil and gas. The land routes being explored as alternatives to the Strait of Hormuz could take years to build. However, it would be best if work on these alternative routes began immediately, as there is no way to predict when a new crisis could arise in West Asia. Iran, in any case, is eager to gain control over the Strait of Hormuz.

नाबालिग बहन का कत्ल कर छत पर सो गया भाई, जरा सी चूक से पकड़ा गया कातिल का झूठ; पहले कहता रहा बात

मुरादाबाद में एक भाई ने नाबालिग बहन को गला रेतकर मार डाला। हत्या करने के बाद आरोपी छत पर जाकर सो गया। पुलिस के सामने कहने लगा कि कुछ लोगों ने घर में घुसकर उसकी बहन की हत्या कर दी है। कड़ाई से पूछताछ पर आरोपी टूट गया और जुर्म कबूल कर लिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।मुरादाबाद के कुंदरकी इलाके के ग्राम फरहेदी खुर्द में रविवार की रात बड़े भाई ने अपनी नाबालिग बहन की धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या कर दी। हत्या करने के बाद आरोपी युवक छत पर जाकर सो गया। परिवार वालों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने उसे छत से ही पकड़ा है। पहले तो वह कहता रहा कि कुछ लोग घर में आए थे और उन्होंने उसकी बहन की हत्या कर दी। लेकिन जब कड़ाई से पूछताछ की गई तो जुर्म कबूल कर लिया। बताया जाता है कि वह छेड़छाड़ के मामले में जेल भी जा चुका है। परिवार वालों का कहना है कि वह कभी कभी अजीब हरकतें करने लगता था। अचानक आक्रामक हो जाता है। लेकिन यह लोग पुलिस को कोई ऐसा रिकार्ड नहीं दिखा सके जिससे पता चलता कि उसका इलाज चल रहा था।कुंदरकी थाना क्षेत्र के ग्राम फरहेदी खुर्द निवासी फर्म कर्मी भारत सिंह की मझोला क्षेत्र के मीरापुर में रहने वाली बहन की बेटी की सगाई थी। इस समारोह में भारत सिंह अपनी पत्नी कुसुम और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ शामिल होने गए थे।घर पर भारत सिंह का सबसे बड़ा बेटा विक्की और नाबालिग बेटी रीता मौजूद थे। देर रात जब परिजन मीरापुर से वापस अपने गांव फरहेदी खुर्द को लौटे तो मकान में फर्श पर रीता (17) का लहूलुहान शव पड़ा था।शव देखते ही परिजनों के होश उड़ गए। उस समय विक्की छत पर सो रहा था। उसके कपड़े खून से सने हुए थे। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शक के आधार विक्की को हिरासत में लिया।पहले तो वह पुलिस के सामने कहता रहा कि कुछ लोग घर में घुस आए थे और उन्होंने बहन की हत्या कर दी। लेकिन जब पुलिस ने उसकी शर्ट पर लगे खून के निशान के बारे में पूछा तो कहने लगा कि बहन को बचाते समय खून उसके कपड़ों पर लगा है।लेकिन जब कड़ाई के साथ पूछताछ की गई तो उसने जुर्म कबूल कर लिया। घटना की जानकारी होने पर एसपी देहात कुंवर आकाश सिंह भी मौके पर पहुंचे। इस दौरान फॉरेंसिक टीम ने मौके से फुट और फिंगर प्रिंट इकट्ठा किए।पुलिस ने आरोपी के खून से सने कपड़ों को कब्जे में ले लिया। इस मामले में सीओ अशोक कुमार ने बताया कि किशोरी के पिता भारत सिंह की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। गिरफ्तार हत्यारोपी विक्की से पूछताछ की जा रही है।पांच भाई बहनों में सबसे छोटी थी रीता- घटना की शिकार रीता अपने पांच भाई बहनों मं सबसे छोटी थी। हत्यारोपी विक्की सबसे बड़ा भाई है, उससे छोटा भाई भोला है। परिवार में पिता भारत सिंह, मां कुसुम और दो बड़ी बहनें मीनाक्षी और शोभा हैं। घटना के बाद परिजनों के रोते रोते हाल बेहाल हो गया था। मां और बहनों को परिवार की महिलाएं ढांढस बंधा रही थीं। घटना की जानकारी मिलने पर स्थानीय लोगों के अलावा रिश्तेदारों के आने का तांता लगा रहा।तीन बार जेल जा चुका है हत्यारोपी विक्की- हत्यारोपी विक्की के बारे में स्थानीय पुलिस ने छानबीन की तो पता चला कि अब तीन बार जेल जा चुका है। उस पर छेड़खानी और मारपीट करने के मामलों में भी रिपोर्ट हुई थी। इसके बाद उसे जेल भेज गया। दिवाली पर जेल से जमानत पर छूटकर आया था। हत्यारोपी सनकी स्वभाव का है। वह कोई काम भी नहीं करता है। परिवार वाले भी उसकी हरकतों से परेशान रहते थे।

ताऊ ने रुकवाई नाबालिग की शादी, आक्रोशित मामा के साथी ने कर दी फायरिंग, दो लोग घायल हुए तो मची भगदड़

डिबडिबा गांव में शादी समारोह के बीच विवाद हो गया। इस दौरान चली गोली में दो लोग जख्मी हो गए। पुलिस मामले की जांच कर रही है।उत्तराखंड से सटे डिबडिबा गांव में रविवार रात नाबालिग की शादी कराने को लेकर विवाद हो गया। ताऊ ने चाइल्ड हेल्प लाइन को बुलाकर शादी रुकवा दी, जिससे आक्रोशित मामा अपने साथियों के साथ मौके पर पहुंच गया। इस दौरान मामा के एक साथी ने ताऊ पर तमंचे से फायर कर दिया।फायरिंग में दो लोगों को छर्रे लग गए। घायलों का इलाज रुद्रपुर के एक अस्पताल में चल रहा है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामा समेत पांच अज्ञात लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पुलिस के अनुसार घटना कोतवाली क्षेत्र के डिबडिबा गांव में प्रगट सिंह के फार्म हाउस पर हुई। सुमन, जो दिवंगत अशोक की पत्नी हैं, अपनी तीसरे नंबर की पुत्री का विवाह बरेली के करन से कर रही थीं और वह प्रगट सिंह के फार्म हाउस पर काम करती हैं। शादी की जानकारी मिलने पर बीसलपुर, शीशगढ़ बरेली निवासी ताऊ मुकेश फार्म हाउस पहुंचे और विरोध किया। इसके बाद उन्होंने चाइल्ड हेल्प लाइन को सूचना दी। टीम मौके पर पहुंची और नाबालिग होने की शिकायत पर शादी रुकवा दी। इससे नाराज मामा अमन बोलेरो में चार-पांच अज्ञात लोगों के साथ विवाह स्थल पर पहुंचा। इस दौरान ताऊ मुकेश और अमन के बीच मारपीट हुई। आरोप है कि इसी बीच अमन के साथ आए अजय पाल और अन्य ने मुकेश पर तमंचे से फायर कर दिया। मुकेश बाल-बाल बच गए, लेकिन उनके पास खड़े भगवान दास, निवासी बीसलपुर, बरेली और फार्म स्वामी के भाई जसविंदर सिंह को गोली के छर्रे लगने से वे घायल हो गए। घटना के बाद सभी आरोपी फरार हो गए। सूचना मिलने पर रुद्र विलास चौकी पुलिस और कोतवाली प्रभारी जीत सिंह मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घायलों को उत्तराखंड सीमा से सटे एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। आरोपियों को पकड़ने के लिए दी जा रही दबिश-फार्म स्वामी ने पांच अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। कोतवाली प्रभारी जीत सिंह ने बताया कि घटना की प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। बताया कि इस मामले में मामा अमन का नाम सामने आया है। अमन के साथ आए अजय पाल ने तमंचे से गोली चलाई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। एएसपी अनुराग सिंह ने बताया कि लड़की नाबालिग होने पर चाइल्ड हेल्प लाइन वालों ने शादी रुकवा दी। इससे गुस्साए मामा ने घटना को अंजाम दिया। उन्होंने बताया कि आरोपियों को पकड़ने के लिए दबिश दी जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

कूड़े के ढेर में तलाश रहा था कबाड़, अचानक धमाका होने से दूर जा गिरा पप्पू, उपचार के दौरान तोड़ा दम

रामपुर में कूड़े के ढेर में अचानक धमाका हो गया। इसकी चपेट में आने से कूड़ा बीन रहे पप्पू जख्मी हो गया। उसे उपचार के लिए मेरठ ले जाया गया। जहां उसने दम तोड़ दिया। पुलिस धमाके की जांच कर रही है। करीब सप्ताह भर से हजरतपुर गांव में सुलग रहे कूड़े के ढेर में हुए धमाके में घायल कबाड़ बीनने वाले पप्पू की मेरठ में इलाज के दौरान मौत हो गई। धमाका उस वक्त हुआ था जब पप्पू कूड़े में कबाड़ तलाश रहा था। मौत की सूचना के बाद परिवार में कोहराम मच गया है।पुलिस ने मेरठ में ही शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया है। शहर कोतवाली क्षेत्र में तोपखाना-हजरतपुर रोड पर पालिका का ट्रंचिंग ग्राउंड है। रविवार सुबह काशीपुर गांव निवासी 40 वर्षीय पप्पू हजरतपुर ट्रंचिंग ग्राउंड में कबाड़ बीन रहा था।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, वह कूड़े के ढेर के पास पहुंचा था तभी उसने कूड़े के ढेर में एक डंडा मारा, जिसके बाद अचानक जोरदार धमाका हो गया। धमाके में पप्पू गंभीर रूप से घायल हो गया था। उसे बेहतर इलाज के लिए पहले अस्पताल ले जाया गया, जहां से डॉक्टरों ने मेरठ रेफर कर दिया था। मेरठ में इलाज के दौरान सोमवार को उसने दम तोड़ दिया। मेरठ में ही पुलिस ने उसके शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इस बीच घटना की जानकारी मिलने के बाद परिवार के लोगों में कोहराम मच गया। पप्पू के पांच बच्चे हैं। सबसे बड़ा बेटा दस साल का है। परिवार के लोगों को शव रामपुर लाने का इंतजार है। बम निरोधक दस्ते की जांच में हुआ खुलासा- ट्रंचिंग ग्राउंड में धमाका पटाखे पर भारी वस्तु के पड़ने की वजह से हुआ। इसका खुलासा बम निरोधक दस्ते की टीम ने अपनी जांच पड़ताल के बाद किया। एएसपी अनुराग सिंह ने बताया कि घटना की जानकारी के बाद बम निरोधक दस्ते को बुलाया गया था। टीम ने यहां पहुंचकर मौका मुआयना किया। इस दौरान दस्ते ने अपनी जांच में पाया कि यह धमाका पटाखे के धमाके से हुआ। दरअसल पटाखे पर भारी वस्तु के पड़ने के बाद यह धमाका हुआ है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

रामगंगा में नहाते समय सात लोग डूबे, सभी आपस में रिश्तेदार, एक की मौत के बाद समारोह में मचा कोहराम

रामपुर के मिलक में रामगंगा में नहाने गए सात युवक डूब गए। आसपास के लोगों ने पांच को बाहर निकाल लिया। एक युवक की मौत हो गई जबकि दूसरे की खोज जारी है। शादी की रस्म पूरी करने के लिए कूप गांव के सात रिश्तेदार रामगंगा नदी में नहाते समय डूबने लगे। जेसीबी चालक ने जेसीबी और स्थानीय मछुवारे की मदद से छह लोगों को बाहर निकाल दिया। इस दौरान एक युवक नन्हे की मौत हो गई जबकि दूसरा युवक मुन्ने अभी लापता है।जेसीबी चालक नन्हे (26) के छोटे भाई की रविवार को शादी थी। शादी के बाद सोमवार को बरात वापस आई। शादी की रस्म के अनुसार परिवार के लोगों को नदी में मढ़ा सिराने (पूजन सामग्री नदी में बहाने) जाना होता है।इस रस्म को पूरा करने के लिए नन्हे उर्फ अजीत छह रिश्तेदारों के साथ शाम को कूप गांव के पास रामगंगा में गए थे। रस्म पूरी करने के बाद सभी नदी में नहाने लगे। उधर, गांव को बाढ़ से बचाने के लिए नदी के किनारे जेसीबी से गहरे गड्ढे खोदे गए थे। इनमें पानी भरा था। नहाने के दौरान गुड़गांव थाना सिरौली बरेली निवासी पूरन (15) गहरे गड्ढे में चला गया। उसे डूबता हुआ देखकर नन्हे, लक्की (19), करन (20) , संदीप (15) और कल्लू (19) उसे बचाने के लिए गए। वे भी उस गड्ढे मे डूबने लगे। उन्हें डूबता देख जेसीबी चालक और स्थानीय मछुआरे दौड़े। जेसीबी और मछुआरों की मदद से छह लोगों को बाहर निकाला गया। इस दौरान नन्हे की डूबने से मौत हो गई। उनका रिश्तेदार मुन्ने (23) निवासी गुड़गांव थाना सिरौली बरेली लापता है। रात होने के कारण उनका पता नहीं चल पाया है। कोतवाल पुष्कर सिंह ने बताया कि एक युवक नन्हे की मौत हो गई है। एक अभी लापता है।

मां के साथ छत पर सो रही थी बच्ची, तेंदुए ने मच्छरदानी फाड़कर किया हमला, मासूम गंभीर जखमी

कांठ में तेंदुए ने घर की छत पर सो रही छह साल की बच्ची पर हमला कर दिया। जब उसने बच्ची को चारपाई से घसीटना शुरू किया तो मां और अन्य लोगों के शोर मचाने पर वह भाग गया। बच्ची का जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है।घर की छत पर पहुंचे तेंदुए ने मां के साथ मच्छरदानी लगी चारपाई पर सो रही छह साल की बच्ची पर हमला कर दिया। तेंदुए के हमले से मच्छरदानी फट गई और भीतर पंजा डालकर तेंदुए ने बच्ची को चारपाई से घसीटना शुरू कर दिया। मां और छत पर सोते अन्य लोगों के चिल्लाने पर तेंदुआ छत से कूदकर भाग गया।पंजे के वार से बच्ची घायल हो गई, जिसे मुरादाबाद जिला अस्पताल में इलाज दिलाया जा रहा है। यह घटना रविवार देर रात संदीप के घर

की है। संदीप मुरादाबाद में बतौर श्रमिक काम करते हैं। रविवार की रात भी वह काम पर गए हुए थे। घर पर मौजूद संदीप की पत्नी पिंकी छोटी बेटी प्रज्ञा और छह साल की बेटी दिया के साथ छत पर सो रही थीं।मां और दोनों बेटियां मच्छरदानी लगी एक ही चारपाई पर थे। संदीप ने बताया कि देर रात करीब 3.30 बजे अचानक घर की छत पर तेंदुआ पहुंच गया। तेंदुए ने चारपाई पर किनारे लेटी छह वर्षीय दिया पर पंजे से झपट्टा मारा। उसके हमले से मच्छरदानी फट गई और तेंदुए ने पंजे से दिया को घसीटना शुरू कर दिया। तेंदुए के पंजे में दबी थी बच्ची- चारपाई पर हलचल और बच्ची के चीखने से जागी मां पिंकी ने टॉर्च जलाई तो तेंदुए के पंजे से दबी बच्ची नजर आई। पिंकी के चिल्लाने पर छत पर सो रहे अन्य परिजन और आसपास की छतों के ग्रामीणों ने शोर मचाना शुरू किया। टॉर्चों की तेज रोशनी भी तेंदुए के मुंह पर डाली, जिसके बाद वह छत से कूदकर भाग गया। आनन फानन ले जाया गया सीएचसी- पंजे के वार से घायल हुई बच्ची को कांठ सीएचसी लाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। कांठ क्षेत्र में घर में घुसकर बच्चियों पर तेंदुए के हमले की यह तीसरी घटना है। पूर्व में अलग-अलग गांवों में तेंदुए दो बच्चियों को घायल कर चुके हैं। कॉम्बिंग...सर्च, नहीं दिखा तेंदुआ- कांठ में वन विभाग के डिप्टी रेंजर पुष्पेंद्र सिंह, वन दरोगा राजेंद्र सिंह, अमर सिंह और कांठ थाने के दरोगा कमलदीप घटना की जानकारी पर सीएचसी पहुंचे। बच्ची का हालचाल लिया। चिकित्सकों ने बताया कि बच्ची के शरीर पर तेंदुए के दांत के निशान नहीं है। पंजे के नाखूनों से जख्म आए हैं। इसके बाद वन विभाग की टीम और पुलिस ने सोमवार को इलाके की कॉम्बिंग की। खेतों के आसपास भी सर्च अभियान चलाया। टीमों को कहीं तेंदुआ नजर नहीं आया। ग्रामीणों ने वन विभाग से पिंजरा लगाने की मांग की है। उनका कहना है कि जंगल से गांव और फिर घरों व छतों तक तेंदुए पहुंचने से ग्रामीणों में दहशत है।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

ज़्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

फर्जी IAS बनकर नौकरी के नाम पर ठगी में तीन महिलाएं गिरफ्तार

फर्जी नियुक्ति पत्र, लैपटॉप, चेकबुक बरामद- डॉ विप्रा शर्मा गैंग का पर्दाफाश

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली। थाना बारादरी पुलिस ने सरकारी नौकरी लगवाने के नाम पर ठगी करने वाले गैंग की तीन महिलाओं को गिरफ्तार किया है। गैंग की सरगना डॉ विप्रा शर्मा खुद को IAS और SDM FR उत्तर प्रदेश शासन बताकर लोगों को झांसे में लेती थी।अपनी कार पर SDM FR UP सरकार लिखवाकर रौब जमाती थी।

जानकारी के अनुसार 26 अप्रैल को प्रीति लयल निवासी फाइक एन्क्लेव ने शिकायत दर्ज कराई थी। 2022 में शिखा पाठक से मुलाकात हुई थी। शिखा ने बताया कि उसकी बहन विप्रा शर्मा SDM है और पैसे लेकर सरकारी नौकरी लगवाती है। कंप्यूटर ऑपरेटर की नौकरी का झांसा देकर प्रीति, आदिल खान, संतोष कुमार और मुशाहिद से करीब 11 लाख रुपये नगद और बैंक खाते में लिए।

बाद में विप्रा शर्मा ने आयुक्त एवं सचिव राजस्व परिषद उत्तर प्रदेश लखनऊ के नाम से फर्जी हस्ताक्षर कर कंप्यूटर ऑपरेटर पद के फर्जी नियुक्ति पत्र डाक, व्हाट्सएप और ईमेल से भेज दिए। जांच में सभी दस्तावेज फर्जी निकले।

पुलिस ने किया खुलासा- वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर बनी टीम ने 27 अप्रैल को डेंटल कॉलेज रोड पर सार्वजनिक शौचालय के पास से तीनों को पकड़ा।

गिरफ्तार आरोपी में डॉ विप्रा शर्मा, पुत्री वीरेंद्र कुमार शर्मा, निवासी ग्रेटर ग्रीन पार्क, बारादरी। दीक्षा पाठक पुत्री उमाकांत पाठक, निवासी पवन विहार कॉलोनी, बारादरी।

शिखा शर्मा पुत्री वीरेंद्र कुमार शर्मा, निवासी ग्रेटर ग्रीन पार्क, बारादरी। की रहने बाली हैं।

पुलिस ने बरामद दस्तावेज में 07 चेक बुक, 04 मोबाइल-एक आईफोन 16 प्रो मैक्स, दो वीवो एक्स 200 प्रो और एक्स 100 प्रो, 02 लैपटॉप, 03 पासबुक, 4.50 लाख रुपये नगद, और घटना में प्रयुक्त महिंद्रा XUV 700 रजि नंबर UP25EC3222 जिस पर SDM FR UP सरकार लिखा था।

55 लाख फ्रीज, ठगी से खरीदी गाड़ी-मकान- पूछताछ में खुलासा हुआ कि तीनों बहनें मिलकर 2021-2022 से ठगी कर रही थीं। विप्रा खुद को IAS, शिखा ADM बताकर नौकरी का लालच देती थी। फर्जी नियुक्ति पत्र लखनऊ से डाक द्वारा भेजते थे ताकि सरकारी लगे। ठगी के पैसों से महिंद्रा XUV 700 और पवन विहार में मकान खरीदा गया। वहीं फर्जी दस्तावेज तैयार किए जाते थे। पुलिस ने विप्रा शर्मा और दीक्षा पाठक के अलग-अलग बैंक खातों में जमा करीब 55 लाख रुपये फ्रीज कराने के लिए बैंकों को रिपोर्ट भेज दी है।

ये पैसे भी नौकरी के नाम पर ठगे गए थे। पुलिस ने केस दर्ज कर तीनों को रिमांड के लिए न्यायालय भेजा गया है। इसकी विवेचना उप निरीक्षक नितिन राणा कर रहे हैं। जबकि गिरफ्तारी टीम प्रभारी निरीक्षक बिजेंद्र सिंह, उ0नि0 नितिन राणा, उ0नि0 कुशल पाल, उ0नि0 सौरभ तोमर, हे0का0 राघवेंद्र सिंह, का0 नीरज देवी, मका0 मोनी आदि शामिल रहीं।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

डायवर्जन की मंजूरी का इंतजार, चौपुला पुल की मरम्मत होगी जल्द

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली। शहर के प्रमुख यातायात मार्गों में शामिल चौपुला फ्लाईओवर की मरम्मत का काम अब जल्द शुरू होने की उम्मीद है, लेकिन इसके लिए अभी प्रशासन से रूट डायवर्जन की अनुमति का इंतजार किया जा रहा है।

नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (ह्यद्व) बदायूं ने मरम्मत कार्य के लिए प्रशासन को पत्र भेज दिया है। जैसे ही डायवर्जन की अनुमति मिलेगी, कार्यदायी संस्था मौके पर काम शुरू कर देगी।चौपुला फ्लाईओवर की हालत लगातार खराब होती जा रही है। पुल के एक्सपेंशन ज्वाइंट के बीच करीब चार से पांच इंच तक का गैप बढ़ चुका है, जिससे वाहन चालकों को गुजरते समय तेज झटके लगते हैं। खासकर बीमार और बुजुर्ग लोगों को इससे काफी परेशानी हो रही है। इस समस्या को लेकर कई बार शिकायतें भी सामने आ चुकी हैं। मरम्मत कार्य के लिए एनएचएआई द्वारा पहले ही 1.46 करोड़ रुपये का बजट स्वीकृत किया जा चुका है और कार्यदायी संस्था का चयन भी कर लिया गया है। बताया जा रहा है कि पहले सिटी स्टेशन रोड पर डायवर्जन लागू होने के कारण काम शुरू नहीं हो सका। इसके बाद उर्स के चलते भी कार्य टल गया। अब उर्स समाप्त होने के बाद मरम्मत कार्य शुरू होने की संभावना जताई जा रही है। एनएचएआई बदायूं के परियोजना निदेशक उत्कर्ष शुक्ला के अनुसार, रूट डायवर्जन के लिए प्रशासन को पत्र भेजा जा चुका है और अनुमति मिलते ही चौपुला फ्लाईओवर की मरम्मत शुरू करा दी जाएगी।

जिला टॉपर अनुज कुमार का हुआ सम्मान, डीएम ने साइकिल व उपहार देकर बढ़ाया हौसला

क्यूँ न लिखूँ सच /अरविंद कुमार / पीलीभीत । राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति परीक्षा 2026-27 में जनपद का

नाम रोशन करने वाले जिला टॉपर अनुज कुमार को सोमवार को गांधी सभागार में सम्मानित किया गया। जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह ने उन्हें साइकिल एवं अन्य उपहार भेंट कर उत्साहवर्धन किया। अनुज कुमार, जो पीएमश्री कंपोजिट विद्यालय कैंच (विकास क्षेत्र मरौरी) के छात्र हैं, ने परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले में शीर्ष स्थान हासिल किया। इस मौके पर डीएम ने कहा कि ऐसे मेधावी छात्र जिले के लिए प्रेरणा हैं और अन्य विद्यार्थियों को भी उनसे सीख लेकर आगे बढ़ना चाहिए। कार्यक्रम में छात्रवृत्ति परीक्षा में चयनित जनपद के कुल 157 विद्यार्थियों की सफलता में योगदान देने वाले शिक्षकों को भी सम्मानित किया गया। विद्यालय स्तर पर मार्गदर्शन देने वाले शिक्षकों के साथ-साथ जनपद एवं राज्य स्तर के मेंटर्स को प्रमाण पत्र व मेडल देकर उनकी सराहना की गई। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे। कार्यक्रम का माहौल उत्साह और गर्व से भरा रहा।

बरेली के टॉपर्स पर इनामों और घोषणाओं की बरसात

डीएम ने दी ई-स्कूटी, मेयर ने फ्री एडमिशन का किया ऐलान

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली। यूपी बोर्ड परीक्षा 2026 में जिले का नाम रोशन करने वाले मेधावी छात्रों को मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में सम्मानित किया गया। समारोह में जिला प्रशासन ने इस बार अनोखी पहल करते हुए हाईस्कूल और इंटरमीडिएट के टॉप 10 विद्यार्थियों को इलेक्ट्रिक स्कूटी भेंट की। वही मेयर ने इन्वर्टिज में निशुल्क पढ़ाने की घोषणा की।

बताते चलें जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने मंच से मेधावियों को ई-स्कूटी की चाबियां सौंपीं। सम्मान पाने वालों में हाईस्कूल से वैष्णवी, गुलशन यादव, रजनी सिंह, शिवानी और रश्मि, जबकि इंटरमीडिएट से चमन जहां, नंदिनी गुप्ता, सुरभि यादव, सिमरन मौर्य और खुशी मौर्य शामिल रहीं।

समारोह के दौरान महापौर उमेश गौतम ने भी बड़ा ऐलान किया। उन्होंने कहा कि इन सभी टॉपर विद्यार्थियों को इन्वर्टिस यूनिवर्सिटी में निशुल्क प्रवेश दिया जाएगा। इस घोषणा पर सभागार तालियों से गूंज उठा।

कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी ने आयोजन को और खास बना दिया। वन मंत्री डॉ. अरुण कुमार, सांसद छत्रपाल सिंह गंगवार, विधायक राघवेंद्र शर्मा, विधायक एमपी आर्य और एमएलसी बहोरन लाल मौर्य सहित कई जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। सभी ने मंच से छात्रों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने कहा कि जिले के विद्यार्थियों ने कड़ी मेहनत से यह मुकाम हासिल किया है। यह सम्मान उनके प्रयासों की सराहना है और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगा।

मुख्य विकास अधिकारी देवयानी ने कहा कि इस बार बेटियों और बेटों दोनों ने शानदार प्रदर्शन किया है। वहीं जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ. अजीत कुमार ने बताया कि जिले ने इस बार परिणामों में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है।सम्मान पाकर छात्रों के चेहरे खुशी से खिल उठे। मंच पर स्कूटी की चाबी मिलने और मुफ्त शिक्षा की घोषणा सुनकर अभिभावक भी भावुक नजर आए। शिक्षकों ने भी अपने छात्रों की सफलता पर गर्व जताया।

समारोह में प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिन्ह भी प्रदान किए गए। जिला प्रशासन की इस पहल से मेधावियों में उत्साह दोगुना हो गया है।

भीषण गर्मी में राहत का सहारा: श्री हरि मंदिर की छबील सेवा जारी

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली। श्री हरि मंदिर प्रबंध समिति द्वारा हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी भीषण गर्मी में मानव सेवा का सराहनीय कार्य किया जा रहा है।

मंदिर के मुख्य द्वार पर लगातार छबील सेवा का आयोजन किया जा रहा है, जिससे राहगीरों को गर्मी से राहत मिल रही है। आज दिनांक 28 अप्रैल 2026 को छबील सेवा के नवम दिवस पर मीठे शरबत का वितरण किया गया, जिसका लाभ बड़ी संख्या में राहगीरों ने उठाया। वहीं, आज महाद्वाशी पर्व के पावन अवसर पर विशेष रूप से पुलाव का प्रसाद भी वितरित किया गया।

इस सेवा कार्य में मंदिर समिति के सचिव रवि छाबड़ा सहित गोविंद तनेजा, दीपक साहनी, पंकज यादव, राकेश कुमार एवं अन्य सदस्यों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और सेवा भावना के साथ अपनी जिम्मेदारी निभाई। श्री हरि मंदिर प्रबंध समिति का यह प्रयास न केवल लोगों को गर्मी से राहत दे रहा है, बल्कि समाज में सेवा और सहयोग का संदेश भी प्रसारित कर रहा है।

डीएम/जिला निर्वाचन अधिकारी ने EVM-VVPAT वेयरहाउस का किया निरीक्षण, सुरक्षा व्यवस्थाओं का लिया जायजा

क्यूँ न लिखूँ सच /अरविंद कुमार / पीलीभीत जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह ने मंगलवार को जिला निर्वाचन कार्यालय परिसर स्थित ईवीएम एवं वीवीपैट वेयरहाउस का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का गहन जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने भवन की स्थिति, अग्निशमन उपकरणों, सुरक्षा इंतजामों, गार्ड रूम, सीसीटीवी निगरानी और साफ-सफाई की व्यवस्था को बारीकी से परखा। डीएम ने संबंधित अधिकारियों को वेयरहाउस की सुरक्षा और व्यवस्थाओं को और सुदृढ़ बनाए रखने के निर्देश दिए, ताकि निर्वाचन प्रक्रिया पूरी तरह निष्पक्ष और पारदर्शी बनी रहे। उन्होंने विशेष रूप से सीसीटीवी की नियमित मॉनिटरिंग और अग्निशमन उपकरणों की सक्रियता सुनिश्चित करने पर जोर दिया। इस दौरान विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे, जिनमें इन्द्रेश चौहान (नगर अध्यक्ष, भाजपा), अमित पाठक (एडवोकेट, सपा), हेमंत मिश्रा (एडवोकेट, कांग्रेस) और लोकेश गौतम (जिला संयोजक/प्रवक्ता) शामिल रहे। इसके अलावा बन्दोबस्त चकबंदी अधिकारी, प्रभारी अधिकारी ईवीएम, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी और अन्य संबंधित कर्मचारी भी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान सभी व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गईं, वहीं अधिकारियों को सतर्कता और पारदर्शिता बनाए रखने के निर्देश दिए गए।

नारी शक्ति का विस्फोट: आक्रोश रैली में गूंजी हुंकार : पीडीए का पुतला फूंककर जताया विरोध

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा /बरेली। शहर के साईनाथ मंडल द्वारा मंगलवार को महिलाओं के सम्मान और सुरक्षा के मुद्दे पर एक विशाल 'नारी शक्ति आक्रोश रैली' का आयोजन किया गया। आलोक नगर स्थित महानगर भाजपा कार्यालय से शुरू हुई इस रैली में भारी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया और समाज में उनके प्रति हो रहे अन्याय के खिलाफ जोरदार आवाज बुलंद की।

रैली के दौरान प्रदर्शनकारी महिलाओं का आक्रोश साफ देखने को मिला। महिलाओं ने पीडीए (PDA) का पुतला दहन कर कड़ा विरोध दर्ज कराया और संदेश दिया कि अब अन्याय के खिलाफ चुप्पी नहीं, बल्कि खुलकर विरोध होगा।

रैली को संबोधित करते हुए भाजपा महानगर अध्यक्ष अधीर सक्सेना ने कहा कि नारी शक्ति का सशक्तिकरण ही राष्ट्र की वास्तविक प्रगति का आधार है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि जब तक महिलाएं सुरक्षित और आत्मनिर्भर नहीं होंगी, तब तक विकास अधूरा रहेगा।

कार्यक्रम में मौजूद मातृ शक्तियों ने अपने संकल्प और साहस का परिचय देते हुए साफ संदेश दिया कि अब वे अपने अधिकारों के लिए पीछे नहीं हटेंगी और हर स्तर पर संघर्ष करेंगी।

इस दौरान पार्षद अरब सिंह यादव, सुधा सक्सेना, महानगर महामंत्री डॉ. आदेश गंगवार और मंडल अध्यक्ष बृजेश प्रताप सिंह सहित कई प्रमुख पदाधिकारी मौजूद रहे। वहीं महिला नेताओं अंजू भारद्वाज, नीरू सक्सेना और पुष्पा बिष्ट के नेतृत्व में बड़ी संख्या में महिलाओं ने एकजुटता का प्रदर्शन किया।

पारंपरिक कारीगरों के लिए सुनहरा मौका, 'विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना' में आवेदन शुरू

क्यूँ न लिखूँ सच /अरविंद कुमार / पीलीभीत । । उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा पारंपरिक कारीगरों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से चलाई जा रही विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के तहत जनपद में 10 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इच्छुक अभ्यर्थी 15 मई 2026 तक वेबसाइट द्वद्यद्वद्द.द्बश्1.द्बठ्ठ पर आवेदन कर सकते हैं। इस योजना के अंतर्गत बढ़ई, राजमिस्त्री, नाई, लोहार, सोनार, मोची, कुम्हार, हलवाई, टोकरी बुनकर, दर्जी एवं धोबी जैसे पारंपरिक व्यवसायों से जुड़े कारीगरों को कौशल उन्नयन का अवसर दिया जाएगा। आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों की न्यूनतम आयु 18 वर्ष निर्धारित की गई है और उन्हें संबंधित ट्रेड में कार्यरत होना आवश्यक है।

चयनित अभ्यर्थियों का चयन जिला स्तरीय साक्षात्कार समिति द्वारा किया जाएगा। चयन के बाद लाभार्थियों को 10 दिवसीय नि:शुल्क एवं आवासीय प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा, जो तहसील अथवा जनपद मुख्यालय पर आयोजित होगा। प्रशिक्षण पूर्ण करने के उपरांत सभी सफल प्रशिक्षार्थियों को आधुनिक तकनीक पर आधारित उन्नत टूलकिट भी वितरित की जाएगी, जिससे वे अपने व्यवसाय को और बेहतर ढंग से संचालित कर सकें। अधिक जानकारी के लिए इच्छुक अभ्यर्थी किसी भी कार्यदिवस में जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केन्द्र, पीलीभीत में संपर्क कर सकते हैं

सख्त सुरक्षा के घेरे में वीवीपैट वेयरहाउस: DM व SSP का औचक निरीक्षण, दिए कड़े निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली। जनपद में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आ रहा है। इसी क्रम में मंगलवार को जिलाधिकारी अविनाश सिंह और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य ने परसाखेड़ा स्थित वीवीपैट वेयरहाउस का औचक निरीक्षण किया और व्यवस्थाओं का गहन जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने वेयरहाउस की साफ-सफाई, सुरक्षा इंतजाम और अभिलेखों के रखरखाव को बारीकी से परखा। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सभी निर्धारित मानकों का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जाए। सुरक्षा के मद्देनज़र वेयरहाउस में मौजूद अग्निशमन उपकरणों की उपलब्धता और उनकी कार्यशीलता की भी जांच की गई। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि समय-समय पर नियमित निरीक्षण कर व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखा जाए। इस दौरान संबंधित विभागों के अधिकारी और कर्मचारी भी मौके पर मौजूद रहे।

जनसुनवाई में 175 आवेदन प्राप्त, मौके पर 91 आवेदनों का निराकरण

क्यूँ न लिखूँ सच / विदिशा- विदिशा जिला मुख्यालय पर आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में आज मंगलवार को कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने जिलेभर से आए नागरिकों की समस्याएं सुनीं। जनसुनवाई के दौरान विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 175 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 91 आवेदनों का निराकरण किया गया तथा शेष आवेदनों पर संबंधित विभागों के अधिकारियों को शीघ्र कार्रवाई के निर्देश दिए गए। कलेक्टर श्री गुप्ता ने आवेदकों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण सुनिश्चित किया जाए तथा आवेदकों को समयबद्ध रूप से समाधान उपलब्ध कराया जाए। जिन मामलों का तत्काल समाधान संभव था, उनका मौके पर ही निराकरण कर आवेदकों को राहत प्रदान की गई।

जनसुनवाई में प्रस्तुत इन सभी आवेदनो पर निराकरण के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं, ताकि समय-सीमा में सभी आवेदनों का निराकरण हो सके। जनसुनवाई कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी भी उपस्थित रहे, जिन्होंने अपने-अपने विभाग से संबंधित समस्याओं का निराकरण किया। जनसुनवाई के माध्यम से आम नागरिकों की समस्याओं का त्वरित और प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है।

जनसुनवाई के दौरान विदिशा के ग्राम सोंठिया की श्रीमती अंगूरी बाई ने बीपीएल कार्ड बनवाने के संबंध में, विदिशा के बरईपुरा निवासी स्नेहा कुशवाहा ने जन्म प्रमाण पत्र में सन् सुधरवाने, शमशाबाद तहसील के ग्राम बुढ़ाखेड़ा की श्रीमती ममता बाई ने आदिम जाति कल्याण विभाग द्वारा सहायता राशि का भुगतान न करने के संबंध में, विदिशा के शिक्षक कॉलोनी निवासी श्रीमती पानबाई पत्नी स्वर्गीय हल्के राम ने 6 साल हो बाद भी प्रार्थी की मंजूर कुटी अब तक नहीं मिल सकी के संबंध में, ग्राम हिरनई निवासी श्रीमती सुमित्रा बाई पति मुन्नालाल कुशवाहा ने अपनी व्यक्तिगत परेशानी संबंधी आवेदन दिया। इसके अलावा ग्राम पंचायत नटेरन निवासी श्री रवि रघुवंशी ने समग्र आईडी में त्रुटि सुधार एवं लंबित अनुरोध संख्या 211609923 को स्वीकृत करने संबंध में, विदिशा के बस स्टैंड स्थित वार्ड नंबर 11 के समस्त वार्ड वासियों ने नाली एवं सीवर लाइन और फुटपाथ बनाने हेतु आवेदन पत्र दिया है। बासौदा तहसील के ग्राम मिर्जापुर कुल्हार निवासी श्रीमती प्रीति कटारे ने प्रधानमंत्री सड़क योजना अंतर्गत सड़क निर्माण हेतु अधिग्रहित भूमि का मुआवजा अथवा भूमि के बदले भूमि प्रदान किए जाने संबंधी आवेदन दिया है।

गिरफ्तार कर आरोपी से चोरी गया मसरुका पीतल के बर्तन कीमती 40,000 रु. के बरामद किये

गिरफ्तार कर आरोपी से चोरी गया मसरुका पीतल के बर्तन कीमती 40,000 रु. के बरामद किये

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/कोतवाली पुलिस व्दारा नकबजनी के अपराध क्रमांक 209/2026 में फरार आरोपी धर्मेन्द्र कुशवाह को गिरफ्तार कर आरोपी से चोरी गया मसरुका पीतल के बर्तन कीमती 40,000 रु. के बरामद किये। शिवपुरी- दिनांक 27.03.26 को थाना कोतवाली पर फरियादी अभिनव भटनागर पुत्र अशोक भटनागर उम्र 41 साल नि0 न्यू दर्पण कालोनी शिवपुरी ने ध्यान केन्द्र चतुर्भुज हॉस्पिटल के पास से अज्ञात चोरो व्दारा मिक्सर, एलईडी टीव्ही, साउम्ड एवं अन्य सामान चोरी करने की रिपोर्ट की थी जो रिपोर्ट पर से अप.क्र. 209/26 धारा 331(6),305 (ए) बीएनएस कायम कर विवेचना में लिया गया प्रकरण में पूर्व में दो आरोपीगण की गिरफ्तारी हो चुकी है एक अन्य आरोपी की शीघ्र गिरफ्तारी हेतु पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री अमन सिंह राठौड़ व्दारा आदेशित किया गया, जिसके पालन मे अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री संजीव मुले एवं नगर पुलिस अधीक्षक श्री संजय चतुर्वेदी के मार्ग निर्देशन में कोतवाली टीआई रोहित दुबे व्दारा आरोपी की गिरफ्तारी हेतु टीम बनायी गयी टीम व्दारा अपराध की गंभीरता को देखते हुये घटना स्थल के आसपास व शहर के विभिन्न स्थानो के कैमरे चैक किये गये एवं आरोपी के संबंध में जानकारी एकत्रित की गयी जो आज दिनांक 28.04.26 को विश्वसनीय सूत्रो से जानकारी मिली की एकअधीक्षक व्यक्ति व्हीटीपी स्कूल के पास प्लास्टिक कट्टे में चोरी का माल बेचने की फिराक में खडा है फोर्स को कार्यवाही हेतु व्हीटीपी स्कूल तरफ रवाना किया गया जो एक व्यक्ति खडा दिखा जो पुलिस को अपनी ओर आता देख भागने लगा जिस घेरकर पकडा नाम पता पूछने पर उसने अपना नाम धर्मेन्द्र कुशवाह पुत्र लक्खी कुशवाह उम्र 27 साल नि0 सलोदा थाना पोहरी हाल मनियर शिवपुरी का होना बताया हाथ में लिये प्लास्टिक के कट्टा को चैक किया तो उसमें पीतल की गणेश जी की मूर्ती, एक फरसा पीतल का, पाँच थाली पीतल की, एक टूटा थाला पीतल का, छः आरती पीतल की, तीन अगरबस्ती स्टेण्ड पीतल के, पीतल की थाली आरती वाली, आठ कटोरी पीतल की, एक कटोरी व प्लेट स्टील की, दो प्लेटे पीतल की, अखण्ड ज्योती पीतल की दो रखी पायी गयी जो आरोपी से पूछताछ करने पर चोरी करना स्वीकार किया बाद आरोपी को गिरफ्तार कर प्रकरण का चोरी गया मसरुका कीमती 40000रु. का बरामद किया गया एवं गिर0 आरोपी को माननीय न्यायालय पेश कर जेल भेजा गया। सराहनीय भूमिका:. उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी थाना कोतवाली निरीक्षक रोहित दुबे, उनि0 सुमित शर्मा, प्र.आर. 374 गजेन्द्र परिहार, प्र.आर. 86 भगवत चतुर्वेदी, प्र.आर. 54 योगेश राठौर, प्र.आर. 643 शैतान सिंह, आर. 285 राहुल कुमार, आर. 528 महेन्द्र तोमर की विशेष भूमिका रही।

मुरादाबाद में मच्छरों से सबसे ज्यादा खतरा, मंडल के अन्य जिलों से ज्यादा लार्वा मिले, छिड़काव पर लाखों खर्च

वेक्टर जनित रोगों पर चल रहे अभियान के ताजा आंकड़ों में मुरादाबाद मंडल का सबसे संवेदनशील जिला बनकर उभरा है। रामपुर, अमरोहा, बिजनौर और संभल में निरीक्षण और लार्वा की संख्या तुलनात्मक रूप से कम रही। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि डेंगू फैलाने वाले एडीज मच्छर के खतरे को देखते हुए मुरादाबाद में विशेष सतर्कता जरूरी है।वेक्टर जनित रोगों को लेकर जारी अभियान के ताजा आंकड़े यह साफ कर रहे हैं कि मच्छरों का खतरा पूरे मंडल में सबसे ज्यादा मुरादाबाद में है। अन्य जिलों के आंकड़ों से तुलना करें तो स्थिति और भी स्पष्ट हो जाती है। मुरादाबाद में 2.73 लाख घरों का निरीक्षण किया गया। इनमें से 152 घरों में लार्वा मिले, जोकि अन्य जिलों की तुलना में काफी अधिक है।रामपुर में 1.25 लाख, अमरोहा में 75 हजार, बिजनौर में 15 हजार और संभल में सिर्फ 6900 घरों की जांच हुई। रामपुर में 33, अमरोहा में 142, बिजनौर में 18 और संभल में 40 घरों में लार्वा की पुष्टि हुई है। कंटेनर सर्वे के आंकड़े खतरे को और उजागर करते हैं।मुरादाबाद में 3.05 लाख कंटेनरों की जांच में 152 पॉजिटिव मिले। वहीं रामपुर में 1.37 लाख कंटेनरों में 19, अमरोहा में 7.98 लाख में 190, बिजनौर में 20 हजार में 28 और संभल में नौ हजार कंटेनरों में 21 पॉजिटिव मिले। अन्य संभावित प्रजनन स्थलों की पहचान में भी मुरादाबाद आगे है। यहां 149 ऐसे प्रजनन स्थल और चिह्नित किए गए हैं, जहां मच्छर पनप सकते हैं। ऐसे स्थल रामपुर में 21, अमरोहा में 46, बिजनौर में छह और संभल में महज 11 हैं। राहत की बात यह है कि पांचों जिलों में एनेफिलीज और क्यूलेक्स मच्छरों के लार्वा ही मिले हैं। फिलहाल डेंगू के एडीज मच्छर की सक्रियता नहीं पाई गई है। विशेषज्ञों का कहना है कि एडीज मच्छर के लिए जुलाई से अक्तूबर-नवंबर तक का मौसम अनुकूल है। चूंकि मुरादाबाद में लार्वा सबसे अधिक पाए गए हैं, इसलिए एडीज मच्छर को भी इन स्थानों पर पनपने से रोकने के लिए पुख्ता इंतजाम करने होंगे। दीवान का बाजार व गांधीनगर में सबसे ज्यादा मच्छर- शहर के मोहल्लों की बात करें तो यहां दीवान का बाजार और गांधीनगर में सबसे ज्यादा मच्छर हैं। स्वास्थ्य विभाग द्वारा मच्छरों के घनत्व के लिए किए गए सर्वे में यह खुलासा हुआ है। दीवान का बाजार में मच्छरों का घनत्व 14 मिला। गांधीनगर में भी यही स्थिति पाई गई। इसके अलावा प्रकाश नगर, असालतपुरा, किसरौल, मंडी चौक, मझोला, नवाबपुरा, करूला, कंजरी सराय और पीएसी में मच्छरों का घनत्व 12 और 13 मिला। इन सभी स्थानों पर तीन घंटे तक सर्वे किया गया। फॉगिंग व एंटी लार्वा छिड़काव पर हर माह लाखों खर्च- स्वास्थ्य विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक लार्वीसाइडल स्प्रे के लिए मुरादाबाद में 1041 गांवों को कवर किया गया, जबकि रामपुर में 1688, अमरोहा में 446, बिजनौर में 848 और संभल में सिर्फ 56 गांवों में यह कार्रवाई हुई। लाखों रुपये खर्च हो रहे हैं। अधिकारियों का कहना है कि यह फॉगिंग और एंटी लार्वा छिड़काव का ही असर है कि पिछले दो वर्षों में मुरादाबाद में डेंगू के बहुत कम केस आए हैं। हालांकि दिसंबर तक के आंकड़ों की बात करें तो अमरोहा और मुरादाबाद में सबसे ज्यादा मरीज मिले हैं।

संक्षिप्त समाचार

लू से बचाव को प्रशासन अलर्ट: हर स्तर पर तैयारी, डीएम ने दिए सख्त निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच /अरविंद कुमार / पीलीभीत । भीषण गर्मी और संभावित लू (हीट वेव) के खतरे को देखते हुए जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। कलेक्ट्रेट स्थित गांधी सभागार में जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में अहम बैठक आयोजित कर जनपदभर में व्यापक तैयारियों के निर्देश दिए गए। बैठक में जिलाधिकारी ने सभी विभागों और तहसीलों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि हीट वेव से जनहानि रोकना सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने गौशालाओं में पशुओं के लिए चारा, पानी, छाया और नियमित छिड़काव की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, साथ ही अधिकारियों को निरीक्षण कर व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के आदेश भी दिए। डीएम ने निर्देशित किया कि शहर और गांवों में जगह-जगह मिट्टी के घड़ों में प्याऊ स्थापित किए जाएं, ताकि राहगीरों को आसानी से पानी मिल सके। तालाबों और पोखरों में पानी भरवाकर पशु-पक्षियों के लिए भी राहत सुनिश्चित करने को कहा गया। मंदिरों, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन और अन्य भीड़भाड़ वाले स्थानों पर छाया (शेड) और पेयजल की पर्याप्त व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए। खराब हैंडपंपों को तत्काल ठीक कराने पर भी जोर दिया गया। विद्युत विभाग को पीक हीट आवर में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। वहीं जल निगम को ग्रामीण क्षेत्रों में पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराने को कहा गया। ईंट भट्ठों और फैक्ट्रियों में काम करने वाले मजदूरों के लिए पानी, छांव और कार्य समय में बदलाव के निर्देश भी दिए गए। डीएम ने 卐क्या करें और क्या न करें卐 के पंपलेट और पोस्टर के माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए, ताकि लोग लू से बचाव के उपायों के प्रति जागरूक हो सकें। गर्मी में आग की घटनाओं को देखते हुए अग्निशमन विभाग को सतर्क रहने और उपकरणों को दुरुस्त रखने के निर्देश दिए गए। आपात स्थिति में 112 या 9454418519 पर सूचना देने की अपील की गई। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी, सिटी मजिस्ट्रेट, सभी एसडीएम, खंड विकास अधिकारी समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। सतर्क रहें, सुरक्षित रहें – लू से बचाव ही सबसे बड़ा उपाय है।

मंगेतर के सामने युवती से सामूहिक दुष्कर्म, दरिंदों ने बनाया वीडियो; लापरवाही पर कोतवाल सस्पेंड

खागा कोतवाली क्षेत्र से मानवता को शर्मसार करने वाली एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है। यहाँ अपने मंगेतर के साथ रिश्तेदारी में जा रही एक युवती को बंधक बनाकर तीन दरिंदों ने सामूहिक दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया।दरिंदगी की हदें पार करते हुए आरोपियों ने न केवल युवती के साथ घंटों हैवानियत की, बल्कि उसके मंगेतर के साथ मारपीट कर उससे ऑनलाइन वसूली भी की। इस मामले में पुलिस की कार्यशैली पर भी गंभीर सवाल उठे हैं, जिसके बाद पुलिस अधीक्षक ने बड़ी कार्रवाई करते हुए कोतवाल को निलंबित कर दिया है।रास्ते में घेरकर बनाया बंधक, मंगेतर के सामने की दरिंदगी- पीड़िता द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, यह खौफनाक घटना 24 अप्रैल की है। युवती अपने मंगेतर के साथ बाइक से एक रिश्तेदारी में जा रही थी। रास्ते में एक सुनसान जगह पर रुकने के दौरान तीन दबंग युवकों ने उन्हें घेर लिया। विरोध करने पर आरोपियों ने मंगेतर को डंडों से पीटा और उसे बंधक बना लिया। इसके बाद आरोपियों ने मंगेतर के सामने ही युवती के साथ घंटों तक दरिंदगी की। वारदात के दौरान आरोपियों ने पीड़िता का अश्लील वीडियो और तस्वीरें भी बनाईं, ताकि बाद में उसे ब्लैकमेल किया जा सके।ऑनलाइन वसूली और तीसरे आरोपी को भी बुलाया- हैरान करने वाली बात यह है कि दुष्कर्म के दौरान दो आरोपियों ने अपने एक और साथी बबलू सिंह को फोन कर मौके पर बुला लिया, जिसने आकर फिर से युवती के साथ हैवानियत की। हैवानों का मन इतने से भी नहीं भरा; उन्होंने मंगेतर को जान से मारने की धमकी देकर उसके मोबाइल से ऑनलाइन पैसे अपने बैंक खातों में ट्रांसफर करवाए। घटना के बाद आरोपियों ने वीडियो वायरल करने की धमकी दी और दोनों को चुपचाप घर चले जाने को कहा। खागा पुलिस की संवेदनहीनता और एसपी का एक्शन- पीड़ित पक्ष का आरोप है कि घटना के बाद जब वे न्याय की गुहार लेकर खागा कोतवाली पहुंचे, तो वहां तैनात पुलिसकर्मियों ने मामले को गंभीरता से नहीं लिया। कई बार बयान दर्ज करने के बाद भी पुलिस एफआईआर दर्ज करने में टालमटोल करती रही। जब पीड़ित पक्ष ने हार मानकर पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक से संपर्क किया और आपबीती सुनाई, तब जाकर मामले में तत्काल कार्रवाई के आदेश दिए गए। एसपी ने न केवल तत्काल एफआईआर दर्ज कराई, बल्कि खागा कोतवाल को कर्तव्य के प्रति लापरवाही बरतने और पीड़िता की सुनवाई न करने पर तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। दो गिरफ्तार, तीसरे पर 25 हजार का इनाम- पुलिस अधीक्षक के कड़े रुख के बाद पुलिस की कई टीमों ने छापेमारी शुरू की। ऑनलाइन ट्रांजैक्शन के रिकॉर्ड और तकनीकी साक्ष्यों (सर्विलांस) के आधार पर पुलिस ने दो मुख्य आरोपियों, ललित और युवराज सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। घटना का तीसरा मुख्य आरोपी बबलू सिंह अभी भी फरार है। पुलिस ने बबलू सिंह पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया है

अखिल भारतीय अखंड रघुवंशी क्षत्रिय महापरिषद द्वारा मां जानकी जन्मोत्सव आयोजित, सीतायण का हुआ विमोचन

क्यूँ न लिखूँ सच /हाकम सिंह रघुवंशी/ अखिल भारतीय अखंड रघुवंशी क्षत्रिय महासभा की जिला विदिशा महिला विंग द्वारा मां जानकी का जन्मोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। प्रकृति और नारी शक्ति को समर्पित इस कार्यक्रम में भक्ति साहित्य और पर्यावरण संरक्षण का अंगूठा संगम देखने को मिला। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण लेखिका श्रीमती नीतेश रघुवंशी द्वारा रचित पुस्तक सीतायण का विमोचन रहा इस कृति के माध्यम से मां सीता के जीवन आदर्शो को आधुनिक संदर्भ में प्रस्तुत किया गया है। इस अवसर पर प्रकृति प्रेम और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने वाली कर्मठ महिलाओं श्रीमती बबीता सांकलखेड़ा , और मुन्नी हिनोतिया को धरणीसुता सम्मान से नवाजा गया। आयोजन पूरी तरह से प्रकृति को समर्पित रहा जहां उपस्थित जनसमूह को पर्यावरण बचाने का संकल्प दिलाया गया। मंच संचालन श्रीमती रजनी रघुवंशी ने किया।

कार्यक्रम में बच्चों ने नारी शक्ति पर आधारित ओजस्वी कविताएं प्रस्तुत की वहीं महिलाओं ने काव्य के माध्यम से अपने अंतरमन के भावों को साझा किया जो बेहद प्रेरणादायक रहा। वहीं कवयित्री नीतेश रघुवंशी और रिंकी रघुवंशी ने स्वरचित गीत और मुक्तक सुनाकर समां बाँध दिया। कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष रिंकी कमल रघुवंशी, जिला कार्यकारणी अध्यक्ष ज्योति कपिल रघुवंशी, महामंत्री पार्वती गगनेंद्र रघुवंशी, जिला उपाध्यक्ष राधिका रघुवंशी, सह संगठन मंत्री संगीता कागपुर , ग्यारसपुर तहसील अध्यक्ष सिया रघुवंशी, सिरोंज तहसील अध्यक्ष राजकुमारी घटवार, महामंत्री निशा स्वदीप, सचिव प्राची जितेंद्र , उपाध्यक्ष प्राची रविन्द्र , संगठन मंत्री जयश्री रघुवंशी, मीडिया प्रभारी कामनी रघुवंशी, संगठन मंत्री गायत्री रघुवंशी , संगठन मंत्री नीलू यशपाल एवं रघुवंशी समाज की मातृशक्ति बड़ी संख्या में सम्मिलित हुई।

तत्परता से हो प्रकरणों का निराकरण, कोई मामला लंबित न रहे: कलेक्टर

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी।अनुसूचित जाति एवं जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत दर्ज प्रकरणों के शीघ्र और प्रभावी निराकरण के निर्देश कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अर्पित वर्मा ने दिए हैं। मंगलवार को उनकी अध्यक्षता में जिला स्तरीय सतर्कता एवं मॉनिटरिंग समिति की वार्षिक बैठक आयोजित की गई। बैठक में अधिनियम के अंतर्गत पंजीबद्ध मामलों, पीड़ितों को दी गई राहत राशि तथा विभिन्न प्रावधानों के क्रियान्वयन की विस्तृत समीक्षा की गई। कलेक्टर वर्मा ने स्पष्ट कहा कि सभी मामलों में समयसीमा के भीतर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए और कोई भी प्रकरण लंबित न रहने पाए। पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड़ ने भी निर्देश दिए कि दोष सिद्ध प्रकरणों का त्वरित निपटारा किया जाए और नियमित रूप से त्रैमासिक बैठकें आयोजित हों, ताकि प्रगति की निरंतर समीक्षा हो सके। बैठक में प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2025-26 में अनुसूचित जाति के 465 प्रकरणों में 695.22 लाख रुपये तथा अनुसूचित जनजाति के 116 प्रकरणों में 175.06 लाख रुपये की राहत राशि स्वीकृत की गई। इस प्रकार कुल 581 प्रकरणों में 870.28 लाख रुपये की सहायता प्रदान की गई। वहीं, 1 जनवरी 2026 से 31 मार्च 2026 तक अनुसूचित जाति के 142 प्रकरणों में 227.68 लाख रुपये और अनुसूचित जनजाति के 28 प्रकरणों में 50.25 लाख रुपये की राहत राशि स्वीकृत की गई है।बैठक में अनु. जाति एवं जनजाति विभाग के जिला संयोजक एवं डिप्टी कलेक्टर अजय शर्मा सहित समिति के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

सिक्किम पूर्वी भारत का स्वर्ग, पीएम मोदी ने 50वें स्थापना दिवस पर दी 4000 करोड़ की सौगात

गंगटोक में पीएम मोदी का अनोखा अंदाज देखने को मिला, जहां विकास परियोजनाओं से पहले उन्होंने युवाओं संग फुटबॉल खेलकर माहौल को जोशीला और प्रेरणादायक बना दिया।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सिक्किम में की विकास किया। इस अवसर पर भारत का स्वर्ग बताते से राज्य के ऑर्किडेरियम किया। गंगटोक में ने कहा कि सिक्किम एक प्रतीक है, खासकर ऐसे और राजनीति के आधार रहे हैं।उन्होंने यह भी स्वच्छ सड़कें और शुद्ध हैं कि यहां के लोग भूमिका निभा रहे हैं। कि पर्यटन राज्य की और सरकार का मुख्य और आधारभूत ढांचे को मोदी ने सिक्किम में फुटबॉल- इससे पहले के बीच पहुंचे और उनके माहौल को जोश से भर

?4,000 करोड़ से अधिक परियोजनाओं का शुभारंभ उन्होंने सिक्किम को पूर्वी हुए प्रकृति प्रेमी पर्यटकों का भ्रमण करने का आग्रह संबोधन के दौरान पीएम भारत श्रेष्ठ भारत का सशक्त समय में जब देश को धर्म पर बांटने के प्रयास हो कहा कि सिक्किम की हवा इस बात का प्रमाण प्रकृति संरक्षण में अग्रणी साथ ही उन्होंने जोर दिया अर्थव्यवस्था की रीढ़ है फोकस यहां कनेक्टिविटी मजबूत करना है।पीएम बच्चों के साथ खेली पीएम मोदी सुबह युवाओं साथ फुटबॉल खेलकर दिया। सिक्किम दौरे के दौरान पीएम ने इस खास पल को सोशल मीडिया पर भी साझा किया और लिखा कि गंगटोक की सुबह में युवाओं के साथ फुटबॉल खेलना उनके लिए एक बेहद ऊर्जा देने वाला अनुभव रहा। उन्होंने कहा कि युवाओं के साथ खेलते हुए उन्हें नई ऊर्जा और सकारात्मकता का एहसास हुआ।सिक्किम के 50 वर्ष पूरे- ?4000 करोड़ की विकास परियोजनाओं की मिलेगी सौगात- सिक्किम के राज्यत्व के 50 वर्ष पूरे होने के अवसर पर राज्य में भव्य समापन समारोह का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शामिल होंगे। यह ऐतिहासिक अवसर सिक्किम के लिए बेहद खास माना जा रहा है, जहां विकास और उत्सव दोनों का संगम देखने को मिलेगा। इस मौके पर प्रधानमंत्री करीब ?4,000 करोड़ की विकास परियोजनाओं की सौगात राज्य को देंगे, जो विभिन्न क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे और सुविधाओं को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाएंगी। यह दौरा हिमालयी राज्य के लिए एक महत्वपूर्ण पड़ाव माना जा रहा है, जो आने वाले समय में विकास की नई दिशा तय कर सकता है। किंडेरियम का दौरा और आधुनिक पार्क की झलक- अपने कार्यक्रम की शुरुआत में प्रधानमंत्री स्वर्णजयंती मैत्री मंजरी पार्क स्थित ऑर्किडेरियम का दौरा करेंगे। यह पार्क एक विश्वस्तरीय ऑर्किड अनुभव केंद्र के रूप में विकसित किया गया है, जिसे सिक्किम की प्राकृतिक खूबसूरती और जैव विविधता का प्रतीक माना जा रहा है। इसके बाद प्रधानमंत्री पलजोर स्टेडियम में आयोजित मुख्य समारोह में शामिल होंगे, जहां वे विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे और जनता को संबोधित भी करेंगे। इन परियोजनाओं में सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा, ऊर्जा, पर्यटन, कृषि और शहरी विकास जैसे कई क्षेत्र शामिल हैं। सरकारी अधिकारियों के अनुसार, इन परियोजनाओं का उद्देश्य सिक्किम में समग्र और समावेशी विकास को गति देना है।

अखिलेश यादव का पुतला जलाने में झुलसी थीं भाजपा विधायक, अस्पताल पहुंच सपा प्रमुख ने जाना हाल

बहराइच में प्रदर्शन के दौरान पुतला दहन करते समय भाजपा विधायक अनुपमा जायसवाल झुलस गईं, जिसके बाद उन्हें लखनऊ के अस्पताल में भर्ती कराया गया। मंगलवार को अखिलेश यादव उनसे मिलने पहुंचे और जल्द स्वस्थ होने की कामना की। घायल हो गईं। जानकारी के अनुसार, 25 अप्रैल को यादव का पुतला दहन कर रही थीं। इसी दौरान चपेट में आ गईं।इस हादसे में अनुपमा जायसवाल के मौजूद लोगों ने उन्हें संभाला और अस्पताल पहुंचाया। उन्हें बेहतर इलाज के लिए लखनऊ मेदांता में रेफर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव मेदांता शिक्षा मंत्री अनुपमा जायसवाल का हालचाल जाना चाहते हैं समाज में सौहार्द की फुहार हो ङ्ग अकाउंट आग जले। हम चाहते हैं समाज में सौहार्द की फुहार हमें यही सिखाया है। इसीलिए हम भाजपा विधायक उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करके आएं हैं। महत्व अपनी जगह।

बीजेपी विधायक अनुपमा जायसवाल प्रदर्शन के दौरान बहराइच में समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश अचानक आग की लपटें तेज हो गईं और वह उसकी चेहरे और बाल झुलस गए। घटना के तुरंत बाद वहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी हालत को देखते हुए किया गया था। वहीं, मंगलवार को समाजवादी अस्पताल पहुंचे। भाजपा विधायक व पूर्व बेसिक और उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की।हम से लिखा- हम नहीं चाहते हैं कि समाज के बीच हो। हमारी सकारात्मक राजनीति की स्वस्थ परंपरा ने श्रीमती अनुपमा जायसवाल जी से मिलने गये और राजनीति अपनी जगह है और मानवीय संबंधों का

संक्षिप्त समाचार

बदायूं के मेडिकल कॉलेज में जल्द पूरे कराएं काम, सीएम योगी के सलाहकार ने एमडी से पूछा- इतनी देरी क्यों?

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सलाहकार अवनीश अवस्थी ने मंगलवार को बदायूं के राजकीय मेडिकल कॉलेज का दौरा किया। उन्होंने कॉलेज में स्वास्थ्य सुविधाओं और व्यवस्था को परखा। निर्माण

कार्यों को जल्द पूरा कराने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सलाहकार अवनीश अवस्थी ने मंगलवार को बदायूं के राजकीय मेडिकल कॉलेज में सुविधाओं और व्यवस्था को परखा। डीएम समेत अफसरों की मौजूदगी में फैकल्टी से लेकर निर्माण कार्यों की समीक्षा की। प्राचार्य ने जब कुछ दिक्कतें उनके सामने बयां की तो उन्होंने पहले प्रोजेक्ट मैनेजर, फिर प्रबंध निदेशक से फोन पर बात की। फोन पर ही उन्होंने यह भी पूछ लिया कि निर्माण कार्य पूरे कराने में देर क्यों हो रही है? इसके लिए उन्होंने रिवाइज एस्टीमेट 15 मई तक तैयार कर लेने का निर्देश भी दिया।मुख्यमंत्री के प्रशासनिक सलाहकार अवनीश अवस्थी मंगलवार अपराह्न करीब तीन बजे राजकीय मेडिकल कॉलेज पहुंचे। शैक्षणिक भवन में बने सभागार में उन्होंने डीएम अवनीश राय, एडीएम एफआर वैभव शर्मा और एसडीएम मोहित कुमार के साथ प्राचार्य डॉ. अरुण कुमार और प्रमुख डॉक्टरों के साथ कॉलेज की व्यवस्थाओं और निर्माण की प्रगति को लेकर समीक्षा की। समीक्षा के दौरान अवस्थी का मरीजों को सुविधाओं, फैकल्टी की मौजूदा स्थिति, डॉक्टरों समेत स्टॉफ की सुविधाओं को लेकर फोकस रहा। ट्रांमा सेंटर के चलाने पर भी चर्चा हुई। प्राचार्य ने जब यह कहा कि इसके लिए स्पेशल स्टॉफ की जरूरत पड़ेगी तो उन्होंने जल्द ही इसे भी पूरा कराने की कार्रवाई शुरू करने का निर्देश दिया।निर्माण कार्यों को जल्द पूरा कराने के निर्देश - करीब एक घंटे तक समीक्षा के दौरान अवनीश अवस्थी ने अधूरे निर्माण कार्यों को जल्द पूरा कराए जाने को लेकर ज्यादा ध्यान दिया। कार्यदायी संस्था के प्रबंधक निदेशक और प्रोजेक्ट मैनेजर को फोन कर उन्होंने रिवाइज एस्टीमेट में हो रही देरी की वजह भी पूछी। दोनों अफसरों से उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि 15 मई तक रिवाइज एस्टीमेट तैयार हो जाना चाहिए। इसके बाद एस्टीमेट की धनराशि अवमुक्त कराकर तेजी से काम शुरू कराए जाएं। अवस्थी ने इमरजेंसी बार्ड, आईसीयू, ऑपरेशन थियेटर को भी देखा। निरीक्षण के बाद जाते समय उन्होंने यह भी कहा कि मरीजों को किसी तरह की असुविधा नहीं होनी चाहिए। बीमार मासूम के ऊपर से उड़ाईं मक्खियां- मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी इमरजेंसी बार्ड में हालात पर गौर करने को पहुंचे तो उनकी नजर अंतिम छोर पर बेड पर लेटी बीमार मासूम बच्ची पर पड़ गई। मासूम की मां से बच्ची के बारे में पूछने से पहले उन्होंने उसके ऊपर भिनभिना रहीं मक्खियों को अपने हाथ से उड़ाया। बच्ची की स्थिति को लेकर डॉक्टरों से भी बात की। इसी तरह वह क्षयरोगी के पास पहुंचे। प्राचार्य ने पूछने पर उन्हें बताया कि क्षय रोगियों की संख्या में इजाफा हो रहा है। इस पर अवस्थी बोले, अगले साल तक क्षयरोग से निजात पानी है। पहले ही लग गई थी सीएम के सलाहकार के आने की भनक मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी के राजकीय मेडिकल कॉलेज में आने की भनक प्राचार्य समेत स्टॉफ को काफी पहले ही लग गई थी। हालांकि अवस्थी उसी तरफ गए, जिधर, जाने की उनकी इच्छी हुई। समीक्षा के बाद उन्होंने प्रोजेक्टर के जरिये पूरे परिसर के हालात पर गौर कर लिया। किस भवन की मौजूदा स्थिति क्या है, यह समझने में भी उन्हें ज्यादा देर नहीं लगी, लेकिन स्टॉफ ने उनके पहुंचने से पहले ही खासकर सफाई व्यवस्था का दुरस्त कर लिया।

KYUN NA LIKHUN SACH

हिंदी अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र

दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच

को आवश्यकता है उत्तर प्रदेश .

उत्तराखंड मध्य प्रदेश ,दिल्ली

,बिहार पंजाब छत्तीसगढ़ राजस्थान

आदि सभी राज्यों से रिपोर्टर,जिला

ब्यूरो विज्ञापन प्रतिनिधि की

सम्पर्क करे-9027776991

A must-have during the summer is the cool "melon lassi," a drink everyone from children to adults will love.

With the arrival of summer, we crave something cool, sweet, and refreshing. Melon lassi cools the body in the heat. It's also a healthy and tasty option for children. Make this easy lassi at home in just 5 minutes. We often drink cold drinks or packaged juices during the summer season, but the body only gets real cooling from natural ingredients. Have you ever tried "melon lassi," made from sweet and juicy melon? If not, be sure to try it this summer. It's a special drink that will instantly soothe your fatigue. A treasure trove of health and flavor—melon is a summer fruit with a high water content. It protects the body from dehydration and provides a wonderful cooling effect on the stomach. Meanwhile, the properties of yogurt strengthen our digestive system. When these two are mixed, a wonderful combination of taste and health is created. A sure cure for children's tantrums - Children often hesitate to eat fruits and prefer to eat unhealthy things from outside, but if you make this thick, sweet and cold muskmelon lassi for them, they will happily drink it without any fuss. Its light orange color and creamy taste attracts children a lot. How to make 'Mustard Muskmelon Lassi' at home? It is very easy to make and takes hardly 5 minutes. Ingredients: 1 cup chopped sweet melon (peeled and seeded) 1 cup fresh, thick yogurt (the yogurt shouldn't be too sour) 2-3 teaspoons sugar or honey (depending on the sweetness of the melon) A pinch of cardamom powder (for a better aroma and flavor) A few ice cubes - for garnishing: finely chopped almonds, pistachios, and a few mint leaves Easy Method: First, wash the melon thoroughly, peel it, and cut it into small pieces. Now, put the melon pieces, fresh yogurt, sugar, and ice cubes together in a mixer jar. Blend everything thoroughly for 1-2 minutes, until the melon is completely ground and the lassi becomes creamy and frothy. Now, add a pinch of cardamom powder and give the mixer another whirl for a few seconds. Your ice-cold, delicious "Kharbuja Lassi" is ready. Pour it into glass glasses, garnish with finely chopped nuts and mint leaves, and serve chilled. Try this simple recipe at home today. Believe me, anyone who takes a sip of this chilled lassi will be raving about it.

Taste and health! Calorie-burning 'infused water' is becoming the go-to choice at high-profile parties.

Infused or detox water is not just a drink, it's a new lifestyle. From welcome drinks to the new uses of infused water, it's making its way into everyday life. Executive Chef Sarthak Sharma of Radisson Blu MBD, Noida, shares how infused water is gaining popularity at parties. These drinks are a hit at parties, supporting gut health, immunity, and calorie burning. A blend of fruits, vegetables, and herbs, with an attractive presentation. Whether it's a get-together or a club event, cold drinks have now been replaced by 'special water' served in beautiful glass jars. Executive Chef Sarthak Sharma of Radisson Blu MBD, Noida, explains how it's completely different from a cocktail, with no syrup added for flavor. It contains a variety of vegetables, fruit slices, and herbs. Even at high-profile weddings and events, guests are turning heads. The reason isn't just the flavor; from improving gut health to boosting immunity, these drinks are the perfect blend of taste and health. Customized offerings: Infused water, which has become a luxury statement, is infused with herbs like hibiscus and chamomile, along with basil and rosemary. Whether it's a party or a get-together, serving customized drinks to guests based on their preferences and health needs is becoming a new-age luxury. Even major hotels are adopting this approach, winning over guests by offering them the option to choose their own drinks based on their health. Healthy Taste - If you're hosting a high-end gala dinner or a special feast, serving these drinks with food is nothing short of an art. The most attractive aspect of preparing infused water is its presentation. These ingredients floating in attractive glass jars, jars, and bottles aren't just for show, but are powerhouses for boosting your metabolism. Ingredients like ginger, galangal, and chili promote thermogenesis—calorie-burning heat—in the body. Ginger or chili are used so delicately that they don't overwhelm the flavor of the food, but instead add a punch. A fusion of science and art—the real magic of infused water lies in "maceration," the process of steeping fruits and herbs in water. The catchpoint here is that each ingredient differs in its temperament, temperature, and dissolution rate! While delicate flowers and tender leaves release their potency in a short time (longer steeping can lead to bitterness), ginger and fruits release their true flavor only after a longer steeping time. For a rich and refreshing experience, try "cold infusion." This not only keeps the water crystal clear but also maintains a mild and fresh taste. A confluence of indigenous and foreign herbs - The high-end hydration trend is now global, but its spirit remains indigenous. Our regional identity is given special importance, with some exotic flavors adding a touch of uniqueness. Detox waters infused with traditional fruits and herbs like kokum, jamun, and tulsi are now gracing the menus of leading cafes and bars. To enhance the taste, they are also being offered with exotic flavors like lemongrass and pandan.

Mercury surpasses 42! Keep these items in your bag before venturing out into the scorching sun and beware of these symptoms.

The mercury in Delhi and surrounding areas has surpassed 42 degrees. Caution is essential to protect yourself from heatwaves. Temperature reaches 42.8°C in Delhi-NCR, heatwave alert issued. Recognize the symptoms of heatwaves and take immediate action. Emergency kits and hydration are essential in this heat. The heat has reached its peak in Delhi-NCR. On Saturday, Delhi's maximum temperature was recorded at 42.8°C, which is 5.1°C above normal. According to the India Meteorological Department (IMD), along with Delhi, Noida, Gurugram, and Ghaziabad are also reeling under the intense heat. The temperatures in different parts of Delhi-NCR were as follows: Delhi - 42.8°C Noida - 41.1°C Gurugram - 41.0°C Ghaziabad - 40.8°C With this, a heatwave alert has been issued in Delhi-NCR. Avoiding heatstroke in the intense heat becomes a major health challenge. Let's learn about the symptoms of heatstroke, what to do for protection, and what you need to have in your emergency kit. What exactly is a heatwave? According to the International Medical Center (IMD), a heatwave is considered to be occurring in an area when the maximum temperature exceeds 40°C and is at least 4.5°C above normal. Furthermore, if the temperature in any area exceeds 45°C, it is also declared a heatwave. Health Effects and Symptoms Extreme heat not only causes discomfort but also poses a serious threat to health. Symptoms include dehydration, muscle cramps, heat stroke, or sunstroke. What are the do's and don'ts for prevention? If you or someone around you experiences heatstroke symptoms, take these steps immediately: Immediately move the affected person to a shady or cool place. Keep yourself hydrated with water or ORS solution. Avoid alcohol, caffeine, or aerated drinks. Place a damp cloth on your face and loosen your clothing for better ventilation. What should be in your emergency kit? When leaving the house during this summer, be sure to carry the following items: a water bottle and an umbrella or hat. A small towel and a hand fan. Electrolyte, glucose, or ORS packets. Hospitals' preparations: Delhi's Ram Manohar Lohia Hospital has reopened a heatwave clinic in the emergency room to combat the heat. This heatstroke room is equipped with modern facilities for treating patients, such as a ceramic immersion tub and an inflatable cooling tub. A 250-kilogram capacity ice-making refrigerator. Rectal thermometers, ice boxes, and beds with ventilator support. This special unit, launched in May 2024, is one of Delhi's first dedicated heatwave clinics. Heatstroke causes the body to lose its natural ability to cool itself, which can be fatal. In such cases, providing cooling therapy is essential.

Rihanna exudes desi swag in Mumbai, with her "thank you" moment grabbing headlines on social media.

Rihanna launched her cosmetics brand in Mumbai, but one gesture from Rihanna caught everyone's attention at the launch event. Rihanna launches her beauty brand in India. The singer's unique style wins fans' hearts - the singer poses with the paparazzi. Barbados singer and businesswoman Rihanna attended an event in Mumbai where she launched her cosmetics brand, Fenty Beauty. Video clips from that evening quickly went viral online, including one showing her in a different look for the after-party. In one viral video, she was seen saying "thank you" to fans. Rihanna learned to say thank you in Hindi - In the viral clip, Rihanna briefly stepped outside and asked, "How do you say thank you in Hindi?" After receiving help, she returned and said, "thank you!", to which fans responded enthusiastically. While interacting with her fans, Rihanna wore a stunning monochrome chartreuse dress. The outfit consisted of a loose mock-neck, long-sleeved top, paired with a matching flared, ankle-length leather skirt from the Mugler Fall 2026 collection. She paired the dress with multiple diamond rings, statement earrings, and a diamond hand-flower by Manish Malhotra while posing with the paps. Another viral video shows Rihanna smiling while posing with a photographer on the red carpet. Her presence in Mumbai—from the pop-up launch to the after-party and interactions with fans—consistently garnered attention online. Launched her brand in India—Rihanna previously spoke about the arrival of Fenty Beauty and Fenty Skin in India. A press statement said, "Bringing Fenty Beauty and Fenty Skin to over 50 stores across 16 cities in India means a lot to me." Our mission has always been to ensure that everyone, everywhere, feels seen, appreciated, and confident in their own skin. Now, we're making it even easier for people to experience our products, and we've only just begun." The singer launched her beauty brand in 2017 and returned to India in 2024, where she attended Anant Ambani and Radhika Merchant's pre-wedding party.

Sushant Singh Rajput turned down Aashiqui 2 for this reason, how did the film end up with Aditya Roy Kapur?

The 2013 blockbuster film 'Aashiqui 2' was initially offered to the late actor Sushant Singh Rajput, but the actor turned it down. Sushant Singh was offered 'Aashiqui 2' for this reason, but this is how the actor ended up with the film - This is how the film ended up with Aditya Roy Kapur. The blockbuster musical romantic film Aashiqui 2, released in 2013, was well-received by audiences. Today, 13 years have passed since the film's release, yet it remains a favorite. Aditya Kapoor's performance in the film was praised by everyone, but did you know that Sushant Singh Rajput was originally approached for the role? Why did Sushant turn down the offer? - Yes, late Bollywood actor Sushant Singh Rajput was offered the role of Rahul Jaykar in the musical romantic drama "Aashiqui 2," but at the time, he had already signed a film with another production house and was busy with his debut film, Kai Po Che. Because of this, he declined the offer. Subsequently, the role went to Aditya Roy Kapur, and it became the most iconic role of his career. The musical romantic drama "Aashiqui 2" was a blockbuster in 2013. Directed by Mohit Suri, the film starred Aditya Roy Kapur and Shraddha Kapoor in lead roles. It was a sequel to the 1990 film "Aashiqui," and its story is a sequel to the 1976 Hollywood film "A Star Is Born." Despite being a newcomer, the film was a commercial hit at the box office. Sushant Singh Rajput carved a niche for himself - Late actor Sushant Singh Rajput was one of the most versatile actors in the film industry. He was one of the few self-made actors who made the transition from the TV industry to Bollywood through hard work and perfection. With excellent films like 'Chhichhore' and 'MS Dhoni: The Untold Story', Sushant certainly carved a niche for himself in the industry. Not just Aashiqui 2, Sushant was the first choice for several big-budget films. According to reports, films offered to Sushant but that didn't materialize include Half Girlfriend, Fitoor, RAW, and Befikre. About 'Aashiqui 2' - Aashiqui 2 is a 2013 Indian musical romantic drama film directed by Mohit Suri and produced by Bhushan Kumar and Mukesh Bhatt under the banners of T-Series Films and Vishesh Films. It is a sequel to the 1990 musical film Aashiqui. The film stars Aditya Roy Kapur and Shraddha Kapoor in lead roles, with Shaad Randhawa and Mahesh Thakur in supporting roles. The story revolves around Rahul Jaykar, a failed singer, and Aarohi Keshav Shirke, a music student. The film revolves around their tumultuous love relationship, which is affected by Rahul's alcoholism and mood swings.

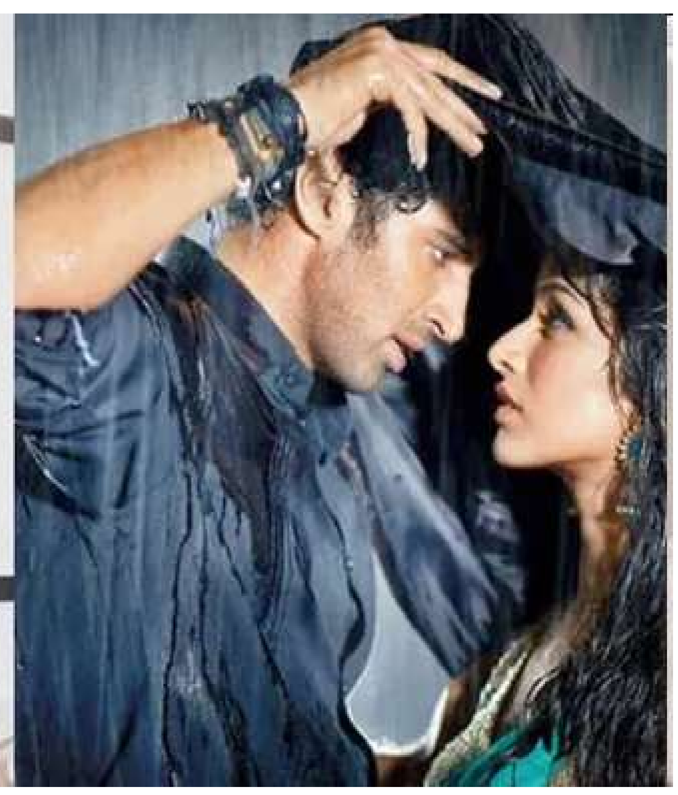

The body of the most glamorous actress of the 70s was found lying in her home, with no one present at her final moments; her ex performed the last rites.

This actress, who enjoyed immense fame in Bollywood, was unaccompanied at her final moments, and several days later, the police found her body in her home. One of the most successful actresses of the 70s, she was unaccompanied at her final moments—her ex-lover performed the last rites. In the late 70s and early 80s, she was Bollywood's biggest female star. Films like "Deewar," "Amar Akbar Anthony," "Shaan," and "Namak Halal" followed, starring the biggest stars of the era. She wore whatever she wanted and dated whoever she wanted. She went to America at the peak of her career. After working with major stars in Bollywood and achieving immense fame, this actress suddenly disappeared in 1983, at the peak of her career. She moved to New York and remained out of public life for nearly a decade. She wrote her autobiography in 1984, though it was never published. When she returned to Mumbai in 1992, she was almost unrecognized. She had been diagnosed with a mental illness called paranoid schizophrenia. Parveen Babi was one of Bollywood's most glamorous and modern faces in the 1970s and '80s, known for films like "Deewar" and "Amar Akbar Anthony." With her bold on-screen presence and Western image, she broke stereotypes and became a top star of her time. But behind her fame, loneliness and mental health issues plagued her personal life, which gradually led her away from films. Her life remains one of Bollywood's most perplexing contrasts between stardom and loneliness. Sudden behavioral change - Around 1980, during the shooting of the film "Shaan," circumstances began to change. Parveen Babi began missing shoots; her co-stars were told she had jaundice, when in fact, she did not. She became delusional; she began to believe her phones were being tapped. While traveling in a car with Mahesh Bhatt, she suddenly screamed that there was a bomb in the car; she then opened the door and ran out into the street. X performed the last rites. On January 22, 2005, milk and newspapers were left outside Parveen Babi's door for several days; then the police broke in and found her dead at the age of 50. She was ill, alone, and had no trace of food in her body. His body remained unclaimed until Mahesh Bhatt performed his last rites.